मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, गुरुवार, 13 अगस्त 2026
संवत 2083, श्रावण कृष्ण 13 मूल्य-3 रुपये
वर्ष-9, अंक 330, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ युवा सपनों को पंख मिले, तभी नई ऊंचाईयां छुएगा भारत
सामंथा रुथ प्रभु ने फैंस के साथ शेयर की मैटरनिटी मोमेंट्स की तस्वीरें ◂ 6

स्वतंत्रता दिवस को लेकर मोरहाबादी मैदान में फुल ड्रेस परेड का रिहर्सल, जवानों ने दिखाया जोश

मेट्रो रेज

रांची: स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में गुरुवार को फुल ड्रेस परेड का रिहर्सल किया गया। इस दौरान सुरक्षा बलों और विभिन्न टुकड़ियों के जवानों ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ परेड का अभ्यास किया। जवानों ने निर्धारित कदमताल, मार्चिंग और परेड से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का बारीकी से अभ्यास किया।

फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस समारोह का पूरा माहौल नजर आया। जवानों ने परेड के दौरान अपने अनुशासन और समन्वय का प्रदर्शन किया। अधिकारियों की निगरानी में परेड की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया, ताकि 15 अगस्त को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में किसी तरह की कमी न रह जाए।

डीसी और एसएसपी समेत कई अधिकारी रहे मौजूद: रिहर्सल के दौरान रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और सीनियर एसपी राकेश रंजन समेत कई वरीय अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने परेड का निरीक्षण किया और तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान परेड में शामिल जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में: मोरहाबादी मैदान में स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह को लेकर प्रशासन की ओर से तैयारियां तेजी से पूरी की जा रही हैं। मैदान की व्यवस्था, परेड, सुरक्षा और अन्य तैयारियों को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारी लगातार काम कर रहे हैं। फुल ड्रेस रिहर्सल के साथ ही समारोह की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। 15 अगस्त को मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में विभिन्न सुरक्षा बलों और टुकड़ियों की परेड आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगी। प्रशासन की कोशिश है कि स्वतंत्रता दिवस समारोह शांतिपूर्ण, व्यवस्थित और गरिमापूर्ण तरीके से संपन्न हो। इस बार स्वतंत्रता दिवस की परेड में 14 प्लाटून शामिल होंगी। इनमें सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ झारखंड जगुआर, ओडिशा पुलिस, जैप-1, जैप-2, जैप-10, रांची पुलिस की महिला और पुरुष प्लाटून, होमगार्ड और एनसीसी की बॉयज व गर्ल्स प्लाटून शामिल हैं।

पूर्व राष्ट्रपति की आत्मकथा के विमोचन पर पीएम मोदी का जेन-जी को संदेश

रील्स के युग में शॉर्टकट से बचें युवा

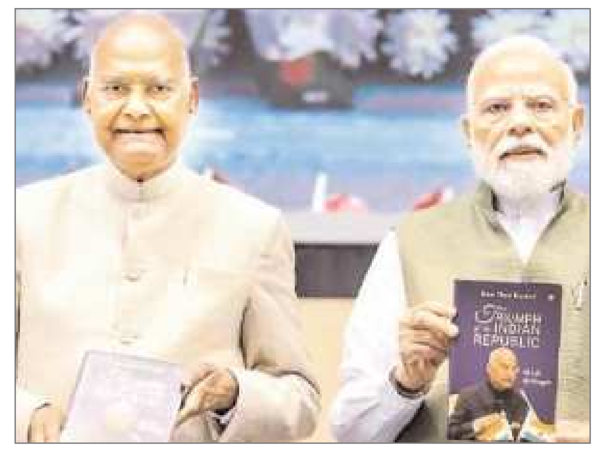

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने और दूसरों के संघर्षों से सीखने की अपील की। उन्होंने कहा कि रील के युग में रह रहे युवाओं को याद रखना चाहिए कि शॉर्टकट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिकः माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोविंद का जीवन दिखाता है कि दृढ़ संकल्प किसी व्यक्ति को मुश्किलों से उबरने और सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने में कैसे मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी कोविंद के लगातार सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने का जिक्र करते हुए कहा कि पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने आराम नहीं किया। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद एक राष्ट्र, एक चुनाव पहल पर काम कर रहे हैं, जो भारतीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय खोल सकती है।

मोदी ने कहा कि इस मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति के प्रयास भारतीय लोकतंत्र को मजबूत करने में उनके निरंतर योगदान का हिस्सा हैं। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि इनसे किसी खास दौर को उस व्यक्ति के जीवन के जरिए समझने का मौका मिलता है जिसने उसे खुद अनुभव किया हो। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज रील का जमाना है, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं न कहीं खींच ले जाते हैं, लेकिन इस दौर में भी, रेलवे स्टेशन पर लिखी बात याद रखें। शॉर्टकट न अपनाएं, शॉर्टकट आपको छोटा कर देगा। पीएम मोदी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब सरकार और सत्तारूढ़ बीजेपी ने सोशल मीडिया पर जेन जी से जुड़ने की कोशिशें तेज कर दी हैं।

कैश कांड केस : जस्टिस यशवंत वर्मा पर तीनों आरोप साबित, महाभियोग की तैयारी

नई दिल्ली: जस्टिस यशवंत वर्मा से जुड़े कैश कांड केस में संसदीय जांच समिति की रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा पर लगे तीनों आरोप सही पाए गए हैं। तीन सदस्यीय समिति ने कहा कि दिल्ली स्थित आधिकारिक आवासीय परिसर में बड़ी मात्रा में भारतीय करेंसी नोटों की मौजूदगी और उसके सोर्स या मालिकाना हक को लेकर संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया। रिपोर्ट में घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस और फायर ऑफिसर की ओर से नकदी को जब्त और सुरक्षित नहीं करने को भी गंभीर चूक बताया गया है। इसके बाद समिति ने आगे कार्रवाई की सिफारिश की है। अब इसके बाद सामने आया है कि जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने को लेकर शीतकालीन सत्र में महाभियोग लाया जा सकता है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट की पांच सदस्यीय पीठ का 1978 में दिया गया फैसला है कि जज का इस्तीफा देना ही उनका पद से हटना है, स्वीकार करने की आवश्यकता नहीं है। जस्टिस वर्मा इस साल अप्रैल में ही राष्ट्रपति को इस्तीफा भेज चुके हैं। इसके बावजूद उनका नाम इलाहाबाद हाई कोर्ट की सूची में है। ऐसे में यह बहस हो रही है कि जांच समिति की रिपोर्ट में उन्हें दोषी पाए जाने के बाद क्या उन्हें हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव लाया जा सकता है। यह अपनी तरह का ऐसा पहला मामला है जब जज के इस्तीफा देने के बावजूद उनके खिलाफ जांच हुई और उनका नाम हाई कोर्ट के जजों की सूची में है।

दो मासूम बच्चों की गुमशुदगी मामले में हाईकोर्ट सख्त

मां को अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर का दिया निर्देश

मेट्रो रेज

रांची: रामगढ़ निवासी दंपत्ति के आपसी विवाद के बीच दो मासूम बच्चों के लापता होने के मामले में गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने बच्चों को उनकी मां से अलग किए जाने की घटना पर नाराजगी जताई। सुनवाई के दौरान रामगढ़ के डीएसपी, पारटांड थाना प्रभारी और बच्चों के पिता अशोक कुमार अदालत में सशरीर उपस्थित हुए।

मामले की सुनवाई न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ में हुई। अदालत ने मौखिक रूप से बच्चों की मां और मामले की प्रार्थी पिंकी देवी को संबंधित अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया। कोर्ट की टिप्पणी के बाद इस मामले में पुलिस की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है।

3 दिसंबर 2025 से लापता हैं दोनों बच्चेः बच्चों की मां पिंकी देवी ने झारखंड हाईकोर्ट में हेबियस कॉर्पस याचिका दाखिल कर अपने दोनों बच्चों की सकुशल बरामदगी और सुरक्षा की गुहार लगाई है। याचिका के अनुसार, 7 वर्षीय आरव और 5 वर्षीय कनक 3 दिसंबर 2025 से लापता हैं। बच्चों की मां का आरोप है कि उन्हें उनकी कस्टडी से अलग कर दिया गया है।

प्रार्थी की ओर से हाईकोर्ट के अधिवक्ता आलोक कुमार वर्मा ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा।

पिता की कस्टडी पर भी कोर्ट ने मांगा जवाबः सुनवाई के दौरान अदालत ने बच्चों के पिता अशोक कुमार द्वारा संचालित निजी अस्पताल से संबंधित पूरी जानकारी कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही बच्चों की कस्टडी पिता को किस आधार पर दी गई, इस संबंध में भी पुलिस से जवाब मांगा गया है।कोर्ट ने मामले में बच्चों की सुरक्षा और उनके माता-पिता के बीच विवाद को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों को आपसी बातचीत से समाधान तलाशने का निर्देश दिया है।

माता-पिता को साथ रहने की संभावना स्पष्ट करने का निर्देशः अदालत ने बच्चों के माता-पिता को आपस में बातचीत कर यह स्पष्ट करने को कहा है कि वे भविष्य में एक-दूसरे के साथ रह सकते हैं या नहीं। कोर्ट का उद्देश्य बच्चों के हित में विवाद का समाधान तलाशना है। अदालत ने मामले की दोबारा सुनवाई गुरुवार को ही दोपहर 12:30 बजे के बाद करने की बात कही है। अब अगली सुनवाई में पुलिस की ओर से बच्चों की कस्टडी, उनकी गुमशुदगी और पूरे मामले में अधिकारियों की भूमिका को लेकर जवाब दाखिल किए जाने की संभावना है।

लद्दाख में दो बार आये भूकंप से हड़कंप, 4 घंटे में 2 बार कांपी धरती

जम्मू : लद्दाख में आज सुबह दोबार भूकंप आने की सूचना मिली है। इस दौरान मौके पर हड़कंप मच गया और लोग जान बचाने के लिए घरों से बाहर निकल आए। वहीं अभी तक इस घटना से किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार लद्दाख के लेह में आज सुबह 6:05 पर लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। डर के मारे लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। वहीं बताया जा रहा है कि उक्त भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.5 मापी गई है।

इसके लगभग 4 घंटों के बाद फिर से एक बार धरती कांपी और लोगों ने भूकंप के झटके महसूस किए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इस बात की पुष्टि की है। ठउर द्वारा मिली जानकारी के अनुसार दूसरा भूकंप सुबह 9:54 पर आया था। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई है।

जानकारी के अनुसार दोनों भूकंप की गहराई धरती से करीब 10 किलोमीटर तक की बताई जा रही है। वहीं एक के बाद एक आए इन भूकंपों से लद्दाख के लोगों में दहशत का माहौल पैदा हो गया था लेकिन गनीमत रही कि इस दौरान किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, हंगामे के बीच मानसून सत्र में कई अहम बिल हुए पास

नई दिल्ली: संसद का मानसून सत्र इस बार हंगामे की भेंट चढ़ गया। गुरुवार को लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। इसके साथ ही मानसून सत्र का समापन हुआ। गुरुवार को सुबह 11 बजे राष्ट्रगीत वंदे मातरम के साथ लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई। राष्ट्रगीत के सभी छह पद बजाए गए। इस दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सदन में मौजूद रहे। राष्ट्रगीत के बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी।

इस बार स्पीकर ओम बिरला ने सत्र के दौरान लोकसभा के कामकाज और उत्पादकता का ब्यौरा देने वाला पारंपरिक समापन भाषण भी नहीं पढ़ा।

गौरतलब है कि इस बार पूरे सत्र में राम मंदिर के चढ़ावे में कथित तौर पर गबन और नीट पेपर लीक के मुद्दे पर हंगामा जारी रहा। विपक्ष ने नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई का भी विरोध किया। साथ ही, विपक्ष ने सदन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी नहीं होने पर सवाल उठाए और छात्रों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई पर सरकार का जवाब मांगा।

उधर, लोकसभा में विपक्ष के लगातार हंगामे के बीच सरकार कई अहम बिल पास कराने में सफल हुई। कुछ बिल विपक्ष के सदस्यों की ओर से चर्चा में हिस्सा नहीं होने पर बिना किसी बहस के लोकसभा से पास हुए।

मानसून सत्र में लोकसभा से पारित होने वाले विधेयकों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, केरल राज्य का नाम आधिकारिक रूप से बदलकर केरलम करने वाले केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, सर्वोच्च न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन विधेयक, कराधान और अन्य विधियां (संशोधन) विधेयक शामिल रहे। वहीं, लोकसभा ने बुधवार को विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक (एफसीआरए), 2026 को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) भेजने के प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित किया।

यूएन की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

लाल किला ब्लास्ट के पीछे अलकायदा का हाथ, 11 बेगुनाह लोगों की हुई थी मौत

नई दिल्ली(एजेंसी): राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के पास नवंबर 2025 में हुए भीषण बम धमाके को लेकर एक बेहद सनसनीखेज खुलासा हुआ है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की निगरानी संस्था की ताजा रिपोर्ट में इस जानलेवा आतंकी हमले के लिए खूंखार आतंकी संगठन अल-कायदा इन द इंडियन सबकॉन्टिनेंट (एक्यूआईएस) को जिम्मेदार ठहराया गया है। यूएन की इस रिपोर्ट से भारत में चल रही लाल किला ब्लास्ट की जांच को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी पुष्टि मिली है और यह साफ हो गया है कि इस हमले के तार सीमा पार बैठे बड़े आतंकी आकाओं से जुड़े हुए थे।

छोटी-छोटी आतंकी इकाइयों में बंटा एक्यूआईएसः संयुक्त राष्ट्र की 1267 प्रतिबंध समिति की निगरानी टीम ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट में बताया है कि आतंकी संगठन एक्यूआईएस अब अपनी रणनीति बदल रहा है। यह अब एक बिखरे हुए गुट की जगह पूरी तरह से एक विकेंद्रीकृत नेटवर्क बन चुका है, जो भारतीय उपमहाद्वीप में छोटी-छोटी आतंकी इकाइयों (स्लीपर सेल्स) के जरिए छिपकर काम कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी गहरी चिंता जताई गई है कि इस संगठन के आतंकी अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में फर्जी अफगानी पहचान-पत्रों की आड़ में सुरक्षित पनाह लिए हुए हैं और बांग्लादेश में भी तेजी से अपने ऑपरेशन्स का विस्तार कर रहे हैं।

बायोलॉजिकल हथियार और क्रिप्टो करेंसी पर आतंकियों की नजर: यूएन ने अपनी इस हालिया रिपोर्ट में पूरी दुनिया के लिए एक खौफनाक चेतावनी भी जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, अल-कायदा और इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) जैसे वैश्विक आतंकी समूह अब केमिकल और बायोलॉजिकल हथियार हासिल करने की लगातार कोशिश कर रहे हैं, जो भविष्य में भारी तबाही का कारण बन सकता है। इसके अलावा, आतंकी संगठन हवाला से आगे बढ़कर अब अपनी फंडिंग के लिए डिजिटल करेंसी (क्रिप्टो करेंसी) का धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की निगरानी टीम ने कड़ा सुझाव दिया है कि जिन क्रिप्टोकरेंसी एड्रेस का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों की फंडिंग के लिए हो रहा है, उन पर भी कड़े यूएन प्रतिबंध लगाए जाने चाहिए।

एनआईए कर रही है लाल किला ब्लास्ट नेटवर्क की जांच: गौरतलब है कि नवंबर 2025 में लाल किले के पास एक कार में हुए जबरदस्त बम धमाके ने पूरी दिल्ली को दहला दिया था। इस आतंकी घटना में 11 बेगुनाह लोगों की जान चली गई थी, जबकि 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस बड़े हमले के बाद मामले की कमान राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने अपने हाथों में ले ली थी। भारतीय जांच एजेंसियां शुरूआत से ही इस हमले के पीछे एक बड़े और सुनियोजित आतंकी नेटवर्क की जांच कर रही हैं। एनआईए की अब तक की जांच में यह बात सामने आ चुकी है कि इस पूरी साजिश में कट्टरपंथी सोच वाले कई पेशेवरों और एक्यूआईएस से जुड़े संदिग्धों का बड़ा हाथ है।

मुंबई में भारी बारिश से रिहायशी इलाके में भूस्खलन से 7 लोगों की मौत, सीएम फडणवीस ने जताया दुख

मुंबई: मुंबई के घाटकोपर में लगातार भारी बारिश के बाद एक रिहायशी इलाके में जबरदस्त भूस्खलन हुआ, जिसमें तीन बच्चों समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए।

यह हादसा चिराग नगर के अशोक नगर इलाके में गौसिया चाल में सुबह करीब 3:48 बजे हुआ। यह हादसा उस समय हुआ, जब लोग अपने घरों में आराम से सो रहे थे। तभी पास की पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया, जिससे कीचड़, बड़े पत्थर और मलबा दो-तीन कतार वाले घरों पर गिर गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक आधिकारिक पोस्ट में कहा कि घाटकोपर के साकीनाका गौसिया चाल इलाके में भूस्खलन से हुए हादसे की खबर बेहद दुखद है। पता चला है कि इस हादसे में कुछ लोगों की जान चली गई है, और हम उनके परिवारों के दुख में शामिल हैं। रात भर लगातार भारी बारिश के कारण पहाड़ी का एक हिस्सा ढह गया, जिससे घरों पर भूस्खलन हुआ और कुछ लोग मलबे के नीचे दब गए। इस घटना की जानकारी मिलते ही बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उन्हें जरूरी इलाज मुहैया कराने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर निगम अधिकारियों ने पुष्टि की कि सात पीड़ितों को घाटकोपर के नगर निगम द्वारा संचालित राजावाड़ी अस्पताल में मृत अवस्था में लाया गया था।

समाचार सार

चतरा में 3 लाख रु मूल्य के 14.93 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवक गिरफ्तार

चतराः जिले की सदर थाना पुलिस ने नशीले पदार्थों की खरीद-बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार की देर शाम 14.93 ग्राम मादक पदार्थ ब्राउन सुगर के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। सदर थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक अनिल उरांव ने बुधवार को बताया कि मंगलवार की शाम करीब सात बजे पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को गुप्त सूचना मिली थी कि चतरा पुलिस लाइन से सटे जितनी मोड़ से आगे बहेड़ा टांड़ के खाली मैदान में रात करीब 8:30 से 9 बजे के बीच दो-तीन लोग ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करने वाले हैं। सूचना के आधार पर छापेमारी कर दो संदिग्ध युवकों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सदर थाना क्षेत्र के कुंजरटोली निवासी मोहम्मद राजा उर्फ तालीम (28 वर्ष) पिता मोहम्मद सलीम और सदर थाना क्षेत्र के असढ़ीया गांव निवासी आदित्य कुमार यादव (22 वर्ष), पिता लोकेश्वर यादव के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, मोहम्मद राजा उर्फ तालीम के हाफ पैंट की बायीं जेब से कागज समेत 1.58 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया गया। वहीं, आदित्य कुमार यादव के पास से प्लास्टिक समेत 13.35 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर बरामद नशीले पदार्थ के साथ सदर थाना लाया गया। उन्होंने बताया कि बरामद ब्राउन सुगर का अनुमानित मूल्य लगभग तीन लाख रु है। पुलिस ने सदर थाना कांड संख्या 336/2026 एवं एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 22, 27, 28 एवं 29 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

तीन माह से शिक्षकों का वेतन लंबित, डीईओ कार्यालय का घेराव

चतराः झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ चतरा जिला इकाई के बैनर तले जिले के माध्यमिक शिक्षकों ने बुधवार को विभिन्न मांगों को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय का घेराव किया। आंदोलन का नेतृत्व संघ के जिलाध्यक्ष उपेंद्र राम ने किया। इस दौरान शिक्षकों ने तीन माह से वेतन भुगतान लंबित रहने पर विभागीय कार्यशैली के प्रति कड़ी नाराजगी जताई।

शिक्षकों का आरोप था कि विभाग के पास वेतन भुगतान के लिए आवश्यक एलाउटमेंट उपलब्ध रहने के बावजूद कार्यालय की लापरवाही के कारण शिक्षकों को समय पर वेतन नहीं मिल रहा है। शिक्षकों ने कहा कि कार्यालय स्तर से समय पर वेतन तैयार नहीं किए जाने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगातार तीन माह से वेतन नहीं मिलने से शिक्षकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

ट्रांसफर से लेकर अवकाश तक की समस्याएं उठाईं: घेराव के दौरान शिक्षकों ने केवल वेतन भुगतान का मुद्दा ही नहीं उठाया, बल्कि ट्रांसफर, प्रतिनियोजन, मातृत्व अवकाश, पितृत्व अवकाश, मेडिकल अवकाश समेत अन्य लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन की मांग की। शिक्षकों का कहना था कि इन मामलों में अनावश्यक देरी के कारण उन्हें कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। संघ ने डीईओ से सभी लंबित मामलों का समयबद्ध तरीके से निष्पादन करने की मांग की।

कार्यालय के प्रधान सहायक पर अपसेंटी के साथ 50 रुपये लेने का आरोप: शिक्षकों ने कार्यालय के बड़ा बाबू मो मोजाहिद आलम पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वेतन तैयार करने के लिए अपसेंटी के साथ प्रत्येक शिक्षकों से 50 रुपये लिए जाते हैं। शिक्षकों ने आरोप लगाया कि जो शिक्षक पैसे देने से इनकार करते हैं, उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। संघ ने डीईओ से मामले की जांच कराने तथा मो मोजाहिद आलम को कार्यालय से हटाकर अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की। शिक्षकों की समस्याओं को सुनने के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी कंचन कुमारी ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कोई भी शिक्षक अपसेंटी के साथ पैसे नहीं देंगे। उनकी अन्य समस्याओं का भी समाधान किया जाएगा। डीईओ के आश्वासन के बाद शिक्षकों ने अपना घेराव एवं आंदोलन समाप्त कर दिया।

जेवर कारोबारी से लूट और फायरिंग मामले में तीन अपराधी गिरफ्तार

चतराः जिले के वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र में सरार्फा व्यवसायी से हुई मोबाइल और सोने की चेन लूट मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर उद्भेदन कर लिया है। वशिष्ठनगर जोरी पुलिस की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही इनके पास से घटना में प्रयुक्त हथियार, कारतूस और मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय सुनील कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि विगत 07 अगस्त की रात जोरी स्थित सरस्वती ज्वेलर्स के मालिक मृत्युंजय कुमार वर्मा से अज्ञात अपराधियों ने कस्तूरबा विद्यालय प्रतापपुर मोड़ के पास लूटपाट की थी। अपराधियों ने दहशत फैलाने के लिए फायरिंग भी की थी। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटों के भीतर घटना में संलिप्त तीन अपराधकर्मियों को दबोच लिया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधकर्मी अमित कुमार हंटरगंज थाना क्षेत्र के परासिया गांव का रहने वाला है। वहीं बीटू कुमार वशिष्ट नगर जोरी थाना क्षेत्र के छोटकी जोरी व रोहित कुमार वशिष्ठनगर थाना के ही करैलीबार गांव का निवासी है। गिरफ्तार आरोपी अमित कुमार का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध चतरा के हंटरगंज थाना सहित बिहार के शेरघाटी और बहेरा ओपी क्षेत्र में भी दर्जनों मामले दर्ज है।गिरफ्तार अपराधकर्मियों के पास से 01 देशी कट्टा, जिन्दा कारतूस एक, टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल व चप्पल बरामद किया गया है। डीएसपी मुख्यालय ने बताया कि गिरोह में शामिल अन्य फरार अपराधकर्मियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी को लेकर नियमित छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर कांग्रेस का रक्तदान शिविर, पहले दिन 20 यूनिट रक्त संग्रह

मेट्रो रेज

खूंटीः अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर युवा कांग्रेस खूंटी जिला इकाई ने जनसेवा की पहल करते हुए सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिला उपाध्यक्ष सुमित पाठक एवं शारोन सुरीन के संयुक्त नेतृत्व में आयोजित शिविर के पहले दिन युवाओं और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 20 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर को सफल बनाने में खूंटी प्रखंड अध्यक्ष यश राजनाथ सहदेव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मौके पर सिविल सर्जन डॉ. ललित रंजन पाठक, डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. आनंद उरांव एवं अस्पताल के काउंसलर निशांत झा उपस्थित रहे। अधिकारियों ने युवा कांग्रेस के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इससे जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। युवा कांग्रेस ने बताया कि यह रक्तदान अभियान 12 अगस्त से सात दिनों तक चलेगा और इस दौरान 100 यूनिट रक्त संग्रह करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान का उद्देश्य सदर अस्पताल में इलाजरत मरीजों, गर्भवती महिलाओं और आपातकालीन मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना है। जिला उपाध्यक्ष सुमित पाठक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने का अवसर है। वहीं शारोन सुरिन ने युवाओं और आम लोगों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान कर अभियान को सफल बनाने की अपील की।

युवा दिवस पर रेड क्रॉस भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन

एक दर्जन रक्तवीरों ने किया रक्तदान

चतराः युवा दिवस के अवसर पर रेड क्रॉस भवन में बुधवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब एक दर्जन रक्तवीरों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की जिंदगी बचाने में अपना योगदान दिया। रक्तदाताओं द्वारा किए गए रक्तदान से थैलेसीमिया समेत अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इस मौके पर रेड क्रॉस के सचिव धर्मेंद्र पाठक ने कहा कि रक्तदान महादान है। एक व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। उन्होंने लोगों से नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए आगे आने की अपील की। शिविर में रेड क्रॉस के कोषाध्यक्ष गोपाल कुमार वर्मा और उपाध्यक्ष विवेक केशरी भी मौजूद रहे। शिविर को सफल बनाने में एमपीडब्ल्यू रत्नेश कुमार, रमेश कुमार, जीएनएम मधुलता कुमारी, सुप्रिया कुमारी और एलटी विजय कुमार ने अहम भूमिका निभाई।

ऑपरेशन के डर से अस्पताल से भागी बिरहोर महिला

सीएस और डीएस के प्रयास से वापस लाई गई अस्पताल, दिया स्वस्थ बच्चे को जन्म

संवाददाता

चतराः प्रसव के लिए सदर अस्पताल पहुंची करिश्मा नामक एक बिरहोर महिला ऑपरेशन के डर से अचानक अस्पताल से फरार हो गई। मामला सामने आने के बाद सदर अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ सत्येंद्र सिन्हा और उपाधीक्षक डॉ मनीष लाल आये एक्शन में और इनके निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम महिला के घर पहुंच गई और काफी समझाने-बुझाने के बाद उसे इलाज के लिए दोबारा अस्पताल लाया गया। जहां सफल ऑपरेशन के बाद करिश्मा ने स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया। जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम की तत्परता से एक ओर जहां महिला को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकी, वहीं सुरक्षित प्रसव भी संभव हो पाया। जानकारी के अनुसार, गिद्धौर प्रखंड की बिरहोर कॉलोनी निवासी करिश्मा बिरहोर, पति मानू बिरहोर, प्रसव के लिए सदर अस्पताल पहुंची थी। चिकित्सकों ने जांच के बाद ऑपरेशन की आवश्यकता बताई। ऑपरेशन की बात सुनकर करिश्मा डर गई और अस्पताल से निकलकर घर फरार हो गई । महिला के अस्पताल से भाग जाने की जानकारी मिलने के बाद सीएस और डीएस डॉ मनीष लाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम को उसके घर भेजा। टीम ने परिजनों और महिला को ऑपरेशन की आवश्यकता तथा सुरक्षित प्रसव के बारे में समझाया। काफी समझाने-बुझाने के बाद करिश्मा इलाज के लिए अस्पताल आने को तैयार हुई। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम एम्बुलेंस से उसे सदर अस्पताल लेकर पहुंची। चिकित्सकों ने सफलतापूर्वक ऑपरेशन कर प्रसव कराया। करिश्मा के सफल ऑपरेशन में सीएस और डीएस के अलावा डॉ अजहर, डॉ सिंड्रेला बालमुचू, ओटी असिस्टेंट अभिषेक कुमार, अरुण कुमार, मो आदिल, जीएनएम अंसिला कुमारी,प्रतिमा कुमारी, पंकज, देवरानी और शिला ने अहम भूमिका निभाई।

राजपुर में सिलाई-कढ़ाई व जूट क्राफ्ट इकाई की पहल

200 से अधिक महिला हस्तशिल्पकारों को स्वरोजगार से जोड़ने पर जोर

संवाददाता

चतराः जिले के कान्हाचट्टी प्रखंड के राजपुर पंचायत सचिवालय में बुधवार को सिलाई-कढ़ाई एवं जूट क्राफ्ट लघु उत्पादन इकाई की स्थापना को लेकर महिला हस्तशिल्पकारों के साथ एकदिवसीय जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की 200 से अधिक महिला हस्तशिल्पकारों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार और लघु उद्यम से जोड़ते हुए उनके पारंपरिक कौशल को आय के स्थायी साधन में बदलने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।बैठक में जिला उद्यमी समन्वयक हेमंत केसरी ने उद्योग विभाग एवं मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्योग विकास बोर्ड की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने महिला हस्तशिल्पकारों को स्वरोजगार एवं लघु उद्यम स्थापित करने के लिए उपलब्ध योजनाओं, प्रशिक्षण और मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया।इस दौरान लघु उत्पादन इकाई, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई), प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना सहित विभिन्न कला एवं कौशल प्रशिक्षण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी साझा की गई।हस्तशिल्पकारों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपने हुनर को रोजगार और व्यवसाय का माध्यम बनाने की अपील की गई। बैठक में बताया गया कि क्षेत्र की कई महिलाएं वर्तमान में अपने घरों में सिलाई-कढ़ाई से संबंधित कार्य कर रही हैं। स्थानीय स्तर पर सिलाई-कढ़ाई एवं जूट क्राफ्ट की लघु उत्पादन इकाई स्थापित होने से इन गतिविधियों को संगठित स्वरूप मिलने की उम्मीद है। इससे महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति देने तथा रोजगार के लिए होने वाले पलायन को कम करने में भी यह पहल उपयोगी साबित हो सकती है।बैठक के दौरान महिला हस्तशिल्पकारों ने योजनाओं एवं प्रस्तावित लघु उत्पादन इकाई से संबंधित विभिन्न जानकारी प्राप्त की।अधिकारियों एवं समन्वयकों की ओर से उनके सवालों का जवाब देते हुए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्योग विकास बोर्ड के प्रखंड उद्यमी समन्वयक कान्हाचट्टी से अरविंद कुमार, इटखोरी से पिंटू यादव, पत्थलगड़ा से राहुल कुमार एवं सिमरिया से योगेश्वर मछुआ उपस्थित रहें। इसके अलावा राजपुर पंचायत के मुखिया विकास कुमार, उद्योग विभाग के सांसद प्रतिनिधि चंदन कुमार केसरी, पीएम श्री विद्यालय राजपुर के अध्यक्ष सुधीर पासवान, बीके प्लस टू हाई स्कूल के प्रधानाचार्य पवन चौधरी सहित 200 से अधिक महिला हस्तशिल्पकार मौजूद रहीं।

अफीम की खेती के दाग मिटाने की पहल

तोरपा के 500 किसान करेंगे गेंदा फूल की खेती

मेट्रो रेज

खूंटीः जिले में अवैध अफीम की खेती से जुड़े दाग को मिटाने और किसानों को पारंपरिक एवं लाभकारी खेती से जोड़ने की दिशा में प्रदान संस्था ने बड़ी पहल शुरू की है। प्रशासन के साथ स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा लगातार ग्रामीणों को अफीम की खेती से होने वाले सामाजिक दुष्प्रभाव और कानूनी कार्रवाई के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही किसानों को अवैध खेती छोड़कर वैकल्पिक एवं पारंपरिक कृषि अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी क्रम में तोरपा प्रखंड की सभी 16 पंचायतों के किसानों को गेंदा फूल की खेती से जोड़कर रोजगार और आमदनी बढ़ाने की पहल की गई है। इस वर्ष प्रखंड क्षेत्र के 500 किसान करीब 5 लाख गेंदा फूल के पौधों की खेती करेंगे। प्रदान संस्था एवं कृषि बागवानी स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, तोरपा के कर्मियों द्वारा बंगाल से गेंदा फूल के पौधे मंगाकर किसानों के बीच वितरण शुरू कर दिया गया है। किसानों को खेती के लिए पौधे उपलब्ध कराने के साथ-साथ फसल की देखरेख, उत्पादन और तैयार फूलों के लिए बाजार उपलब्ध कराने में भी संस्था द्वारा लगातार सहयोग किया जाएगा। संस्था का उद्देश्य किसानों को अफीम जैसी अवैध खेती से दूर कर ऐसी वैकल्पिक कृषि गतिविधियों से जोड़ना है, जिससे उन्हें स्थायी आमदनी के साथ रोजगार का अवसर मिल सके। गेंदा फूल की खेती को बढ़ावा देने की इस पहल से ग्रामीण किसानों के आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की उम्मीद जताई जा रही है।

हाइवा छोड़ो आंदोलन के चौथे दिन भी नहीं बनी सहमति

13 सूत्री मांगों पर लिखित समझौते की मांग

संवाददाता

चतराः सिमरिया प्रखंड मुख्यालय स्थित चौक पर चतरा हाइवा छोड़ो आंदोलन के तहत चल रहा अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को चौथे दिन भी जारी रहा। आंदोलनकारियों और प्रशासन के बीच हुई वार्ता में सहमति नहीं बन सकी। पिछले चार दिनों में दो दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन दोनों प्रयास बेनतीजा रहे।जेएमएम नेता मनोज चंद्रा के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन में हाइवा परिचालन से जुड़ी समस्याओं और स्थानीय लोगों की मांगों को लेकर 13 सूत्री मांगपत्र अंचलाधिकारी गौरव कुमार राय को सौंपा गया। आंदोलनकारियों का कहना है कि प्रशासन की ओर से कई मांगों पर सकारात्मक आश्वासन दिया गया, लेकिन लिखित समझौता नहीं होने के कारण वे आंदोलन समाप्त करने के पक्ष में नहीं हैं। आंदोलनकारियों ने आम्रपाली सीसीएल, एनटीपीसी, ट्रांसपोर्टरों और स्थानीय प्रतिनिधियों की मौजूदगी में अंचलाधिकारी की अध्यक्षता में लिखित समझौता कराने की मांग की है। उनकी प्रमुख मांगों में ट्रिप-ट्रेलर का परिचालन बंद करना, स्थानीय वाहनों को परिवहन कार्य में प्राथमिकता देना, संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था करना, वाहनों की गति नियंत्रित करना तथा प्रभावित सड़कों पर नियमित पानी का छिड़काव शामिल है।

धरना स्थल पर वाहनों की लंबी कतारें भी देखने को मिलीं। आंदोलनकारियों ने कहा कि मांगों का स्थायी समाधान होने तक आंदोलन जारी रहेगा। वार्ता के दौरान जिला परिषद सदस्य चंद्रदेव गोप, कामाख्या नारायण सिंह, हाइवा एसोसिएशन के प्रतिनिधि तथा क्षेत्र के कई सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जेपीएससी- जेएसएससी छात्रों का आंदोलन 20वें दिन भी जारी

मुख्यमंत्री आवास की बढ़ाई गई सुरक्षा, 20 अगस्त को सीएम आवास घेराव की चेतावनी

सीबीआई जांच की मांग पर अड़े छात्र, सीएम आवास के आसपास भारी सुरक्षा

मेट्रो रेज

रांची: जेपीएसी- जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर छात्रों का आंदोलन गुरुवार को 20वें दिन भी जारी है। आंदोलनकारी छात्र अपनी मांगों को लेकर धरना स्थल पर डटे हुए हैं। कई छात्र भूख हड़ताल पर भी बैठे हैं। लंबे समय से भूख हड़ताल के कारण कुछ छात्रों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, इसके बावजूद आंदोलनकारी छात्रों का हौसला कम नहीं हुआ है और वे अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।

10 अगस्त को छात्रों के विधानसभा घेराव के बाद भी आंदोलन जारी है। हालांकि धरनास्थल पर छात्रों की संख्या में कमी आई है, लेकिन आंदोलन को फिर तेज करने की तैयारी चल रही है। छात्रों ने कहा है कि सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं हुई तो 20 अगस्त को मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा।

भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों की बिगड़ी तबीयत: छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। लंबे समय से भूख हड़ताल पर बैठे कुछ छात्रों की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बावजूद अन्य आंदोलनकारी छात्र धरना स्थल पर डटे हुए हैं और अपनी मांगों को लेकर आवाज उठा रहे हैं।

मुख्यमंत्री आवास की सुरक्षा बढ़ी, कई जगह बैरिकेडिंग: छात्रों के लगातार आंदोलन को देखते हुए प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। धरना स्थल से करीब ढाई किलोमीटर की दूरी पर स्थित मुख्यमंत्री आवास की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री आवास के आसपास करीब दो किलोमीटर के दायरे में विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है। प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है, ताकि प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री आवास की ओर आगे न बढ़ सकें।

कांके जाने वाली सड़कों पर वाहनों की लंबी कतार: सुरक्षा व्यवस्था और बैरिकेडिंग का असर राजधानी की यातायात व्यवस्था पर भी दिखाई दे रहा है। कांके की ओर जाने वाली सड़कों पर वाहनों की लंबी कतार लग रही है। कई जगहों पर वाहन धीमी गति से आगे बढ़ रहे हैं, जिससे लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

पुलिस और प्रशासन अलर्ट: जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस मुख्यालय सतर्क है। संवेदनशील चौक-चौराहों और प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। सादे लिबास में पुलिस एवं खुफिया विभाग के जवान भी स्थिति पर नजर रख रहे हैं। ड्रोन कैमरों से आंदोलन और आसपास के इलाकों की निगरानी की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा है कि किसी को भी कानून-व्यवस्था अपने हाथ में लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जेपीएससी आंदोलन में पहुंच रहे असामाजिक तत्व, स्पेशल ब्रांच ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा को लेकर किया अलर्ट

संवाददाता

रांची : जेपीएससी- जेएसएसी परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर चल रहे आंदोलन के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सुरक्षा को लेकर स्पेशल ब्रांच ने हाई अलर्ट जारी किया है। स्पेशल ब्रांच ने मुख्यालय और सरकार को सुरक्षा संबंधी इनपुट दिया है। इनपुट में आंदोलन के दौरान असामाजिक तत्वों और दागी लोगों की मौजूदगी की बात सामने आने के बाद मुख्यमंत्री और उनके आवास की सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

सुरक्षा के मद्देनजर सीएम आवास को चारों तरफ से बैरिकेडिंग से घेर दिया गया है। आवास के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। मुख्यमंत्री की सुरक्षा में भी अतिरिक्त जवान लगाए गए हैं। सुरक्षा बलों को निर्देश दिया गया है कि सीएम आवास के आसपास आने-जाने वाले लोगों पर विशेष नजर रखी जाए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल जांच की जाए।

बैरिकेडिंग कर सुरक्षा बढ़ाई गईः बताया जा रहा है कि जेपीएससी- जेएसएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर पिछले कई दिनों से आंदोलन चल रहा है। इस आंदोलन में छात्र संगठनों के साथ कई राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता भी शामिल हो रहे हैं। इसी दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की ओर से मुख्यमंत्री आवास के घेराव का प्रयास भी किया गया था।

विधानसभा घेराव के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों के हाथों में एयरगन, पिस्टल जैसे दिखने वाले सामान और अन्य हथियार नजर आने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां और अधिक सतर्क हो गईं। स्पेशल ब्रांच ने आंदोलन से जुड़े इनपुट के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का निर्देश दिया है।

कोतवाली इलाके में युवक का शव बरामद, शिनाख्त में जुटी पुलिस

रांची : जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित लाइब्रेरी के पास गुरुवार की सुबह एक युवक का शव बरामद हुआ है। शव मिलने की खबर से इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल पुलिस युवक की शिनाख्त और मौत के कारणों का पता लगा रही है।

जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने गुरुवार की सुबह युवक को लाइब्रेरी के पास बेसुध अवस्था में देखा। इसके बाद पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

प्रारंभिक जांच में मृतक के पास से पहचान से जुड़ा कोई दस्तावेज नहीं मिला है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर युवक की पहचान करने में जुटी है। साथ ही मौत के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकली प्रभात फेरी, घर-घर तिरंगा फहराने की अपील

मेसरा (रांची): उदय मेमोरियल बीएड कॉलेज, केदल के प्रशिक्षुओं ने प्राचार्य चंदन कुमार पंकज के नेतृत्व में मंगलवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी कॉलेज परिसर से निकलकर आसपास के गांवों से होकर गुजरी। इस दौरान प्रशिक्षुओं ने देशभक्ति के नारे लगाये और हाथों में तिरंगा व बैनर लेकर लोगों को स्वतंत्रता दिवस के प्रति जागरूक किया। अभियान के माध्यम से लोगों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराने की अपील की गयी। प्रभात फेरी में प्रशिक्षुओं का उत्साह देखते बना। मौके पर महाविद्यालय के सचिव संतोष महतो, निदेशक राजेश कुमार कंडरवार, उप-प्राचार्या दयामनी कुमारी, जनसूचना पदाधिकारी मुकेश कुमार कंडरवार, कार्यालय प्रशासक रूपेश करवार, व्याख्याता डॉ अलका कुमारी, डॉ रूबिना सिंह, डा निर्मला कुमारी, डॉ मनोज कुमार राणा, डॉ मिताली चटर्जी, डॉ कुमारी पल्लवी, डॉ सुनीता किस्पोट्टा, अनिसा खातुन, लक्ष्मण प्रसाद, कमलेश यादव, सलमा टुडू, जन्मजय महतो, नित्यानंद कोईरी, सपना भारती, नम्रता कुमारी सहित गैर-शैक्षणिक कर्मचारी और बीएड व डीएलएड के प्रशिक्षु मौजूद थे।

रांची रेलवे स्टेशन पर 16 किलो गांजा के साथ 16 साल का किशोर पकड़ाया

संवाददाता

रांची: आरपीएफ सीआईबी और आरपीएफ पोस्ट रांची की संयुक्त टीम ने रांची रेलवे स्टेशन पर विशेष जांच अभियान चलाकर 16 वर्षीय किशोर को 16 किलो गांजा के साथ पकड़ा। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब आठ लाख रुपए बताई गई है। जांच के दौरान ट्रेन संख्या 15027 मौर्य एक्सप्रेस के बी-9 कोच से उतर रहे किशोर को संदेह के आधार पर पकड़ा गया।

तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद दो बैग से 13 पैकेट में कुल 16 किलो गांजा बरामद हुआ। इसके अलावा दो रेलवे टिकट और एक मोबाइल फोन भी मिला। सूचना मिलने पर आरपीएफ रांची के सहायक सुरक्षा आयुक्त भी मौके पर पहुंचे। उनकी मौजूदगी में बरामद गांजे की जांच की गई और उसे जब्त कर सील कर दिया गया।

इसके बाद गांजा समेत अन्य सामान को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए राजकीय रेल पुलिस थाना रांची को सौंप दिया गया। मामले में जीआरपी द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। अभियान में अपराध खुफिया शाखा रांची के निरीक्षक लाल बहादुर, प्रधान आरक्षी केएमए सिंह, संजय कुशवाहा, सीके सिंह, आरपीएफ पोस्ट रांची के उप निरीक्षक एसके सिंह, आरक्षी दिलीप कुमार और आरक्षी मुंतजीर अंसारी शामिल थे।

झारखंड में 13-15 अगस्त तक तेज हवा-भारी बारिश की चेतावनी, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

रांची: बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव वाला क्षेत्र बनने व मॉनसून के सक्रिय होने से 13 से 15 अगस्त तक राज्य के कई हिस्सों में तेज हवा व वज्रपात के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी गयी है। 13 अगस्त को रांची सहित गुमला, खूंटी, हजारीबाग, कोडरमा, रामगढ़, बोकारो, लोहरदगा, गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां में बारिश होगी। इसको लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

14-16 अगस्त तक का मौसमः वहीं, 14 अगस्त को गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला में तेज हवा, वज्रपात व भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं रांची, रामगढ़, हजारीबाग, खूंटी व बोकारो में वज्रपात, तेज हवा व भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। 15 अगस्त को रांची में कम, लेकिन अन्य जिलों में भारी बारिश के आसार हैं। 16 अगस्त को खूंटी, रांची के कुछ हिस्से, गुमला, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां में भारी बारिश की संभावना है।

झारखंड में 21 व रांची में 9 प्रतिशत कम बारिशः मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, झारखंड में एक जून से 12 अगस्त तक सामान्य से 21 प्रतिशत कम बारिश हुई है। रांची में नौ प्रतिशत कम बारिश हुई है। वहीं, पश्चिमी सिंहभूम में सामान्य से 21 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है।

बच्चा लेने स्कूल पहुंचे अभिभावक पर डंडे से हमला, सिर में आई गंभीर चोट

संवाददाता

रातू (रांची): सिमलिया स्थित लीवेंस स्कूल ऑफ एक्सीलेंस से बच्चे को लेने पहुंचे एक अभिभावक डॉ दीपक कुमार पर एक व्यक्ति द्वारा डंडे से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर डॉ दीपक कुमार ने रातू थाना में लिखित शिकायत देकर प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, स्कूल परिसर में एक अभिभावक ने डॉ दीपक कुमार की पत्नी के साथ कथित तौर पर अपशब्दों का प्रयोग किया। इसका विरोध करने के बाद उक्त व्यक्ति स्कूल से बाहर निकल गया। आरोप है कि वह डंडा लेकर स्कूल के बाहर डॉ दीपक कुमार का इंतजार कर रहा था। जैसे ही डॉ दीपक कुमार बाहर निकले, आरोपी ने उनके सिर पर डंडे से वार कर दिया।

सिर में गहरी चोट, खून बहने लगाः डंडे के वार से डॉ दीपक कुमार के सिर में गहरा कट लग गया और काफी खून बहने लगा। शिकायतकर्ता के अनुसार, घटना के समय मौके पर कई लोग मौजूद थे। उन्होंने पुलिस को आरोपी की तस्वीर और उसके वाहन का नंबर उपलब्ध कराने की बात कही है। पुलिस ने लिखित शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना के कारणों, मौके पर मौजूद लोगों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

हटिया जन्माष्टमी पूजा समिति के पुनः अध्यक्ष बने, इंदरजीत सिंह व चंदन यादव सचिव

मेट्रो रेज

रांची: हटिया जन्माष्टमी पूजा 2026 की वार्षिक बैठक हटिया संकट मोचन मंदिर परिसर में संपन्न हुई। पूजा का यह 56 वां साल है। बैठक में हटिया जन्माष्टमी पूजा समिति, दुर्गा पूजा समिति, गणेश पूजा समिति, राम मंदिर कमिटी, रामनवमी पूजा समिति , न्यू काली पूजा समिति एवं महिला समिति की टीमें उपस्थित हुईं।

बैठक में पुरानी समिति को भंग किया गया एवं नई समिति का गठन किया गया। सभी की सर्वसम्मति से इंदरजीत सिंह को पुनः अध्यक्ष चुना गया।

समिति के सचिव चंदन यादव ने बताया कि 4 सितंबर को पूजा पंडाल और मीना बाजार का उद्घाटन एव रात में भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव सोहर कार्यक्रम के साथ । 5 सितंबर को शाम को फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता ।6 सितम्बर को डांस प्रतियोगिता और

7 सितंबर को दही हांडी प्रतियोगिता

प्रत्येक दिन भोग का वितरण किया जाएगा

मेला का भी आयोजन रहता है जिसमे सात दिनों तक सभी प्रकार के झूलों एव दुकानों में श्रद्धालु गण आनंद उठाते है ।

समिति

मुख्य संरक्षकः नंदन यादव

मुख्य संयोजकः संजू चौबे, आरएन यादव, सीके सिंह, अरुण सिंह,

संरक्षकः प्रदीप गुप्ता, अरुण यादव ,नित्यालाल कुमार, अवधेश सिंह, मनोज राय, अलख निरंजन शर्मा

सोनू सिंह

अध्यक्षः इंदरजीत सिंह

सचिवः चंदन यादव

सह सचिवः सन्नी यादव

पूजा विभागः मनोज यादव

पुरोहित : प्रदुमन पाठक , आरपी मिश्रा

कार्यकारी अध्यक्षः बंटू सौरव सिंह, रंजीत सिंह, अरुण बाउरी, रजनीश सिंह, संतोष यादव, सोमनाथ बाउरी, अभिजीत हालदार,आकाश रजवार , आनंद शंकर

वरीय उपाध्यक्षः डॉ रजनी शर्मा, आरुषी वंदना, सुनीता मिश्रा, पी कृतिका राव, मीरा गुप्ता, लवली गुप्ता

कोषाध्यक्षः पवन चौधरी

सह कोषाध्यक्षः अभिषेक सुमित, चंदन कुमार, अभिजीत बाउरी

उपाध्यक्षः अजय सिंह, प्रियदर्शी तिवारी, बबलू कुमार यादव,बैद्यनाथ मंडल, निश्चल सिंह, मन्नू चौधरी, सुनील सिंह, मुकुल प्रसाद, पुरुषोत्तम राठौर, धनजय उपाध्याय , विश्वजीत सिंह, अरविंद यादव, भूपेन्द्र कुमार, संजय पाठक, पंकज कुमार, रितेश कुमार, दीपक राम, भोला यादव, राजू ठाकुर, संजय चौधरी,अमर हरि, किशोर हरि, विशाल पांडेय, विशाल सरकार, हर्ष सिंह, आदित्य शर्मा, दीपक यादव, अमित कुमार, अमन यादव, अमित पांडेय, राज कुमार यादव, शिवा राव , दशरथ प्रसाद ,जितेंदर सिंह , अभिषेक सिंह ,अभिषेक बिल्लू, स्वराज बोस , विजय वर्मा

पंडाल एवं मेला सेक्शनः प्रखर शर्मा, विवेक कुमार, अभय उपाध्याय, शुभम यादव, अरविंद महतो, अरुण सिंह, अविनाश कुमार, गौतम बाउरी, गौतम रजक , सुजय, सुनील साईं, रवि यादव, सुलेन्द्र शर्मा, सोम्या गायन, राहुल गोंड, रवि शर्मा, अभिषेक सिंह, अनिकेत सिंह, सोनू कुजूर, माणिक कुमार महतो , पंकज हेला , दीनू , नवदीप कुमार , शिव कुमार , चंचल कुमार

भोग विभागः आरए कुशवाहा, सुब्रतो भट्टाचार्य, अंकुर हलदार, प्रभात पाठक, नंदू, रंजन राम, पिंटू, कमलदेव यादव, शिव यादव, गणेश कुमार, सुनील कुमार

महामंत्रीः के मीनेष, राजेश कुमार, कार्तिक महतो, आशीष लोहरा,

दीप राय, राजकुमार राय, पंकज सिंह, राज कुमार, चंचल कुमार, सबलू यादव, मनीष यादव, गौतम ऋषि, शिवांश मिश्रा, अभिजीत महतो

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–41 / 2026–27

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता : कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग,भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय : दिनांक 01.09.2026 को 1.00 बजे अपराह्न तक
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 02.09.2026 का 3.00 बजे अपराह्न तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 02.09.2026 को 3.30 बजे अपराह्न।
5. परिमाण विपत्र बिकी का स्थान : 1) अधीक्षण अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा 2) कार्यपालक अभियन्ता,भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची, कार्यपालक अभियन्ता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय
8. कार्य की विवरणी :

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू.)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू.)	अग्रधन की राशि (रू.)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Renovation of "Ladies Toilet of ANTI TERRORISM SQUAD Office Building" Sector-3, Dhurwa, Ranchi	6,43,600.00	1250.00	13000.00	1 Month
2	Renovation of Room No.-204 & 205 (Office of the Urban Development Department) at 2nd Floor of Canteen Building in the Campus of Project Building at HEC, Dhurwa, Ranchi	30,59,600.00	5000.00	61500.00	2 Months
3	Supplying Making and Installation of Steel Staircase Near Sculpture of Bhagwan Birsa Munda and Late Shri Atal Bihari Vajpayee in the Campus of Jharkhand Vidhan Sabha, Ranchi	20,16,900.00	5000.00	40500.00	1 Month
4	Renovation of "AN" Type Qtr. No.-261 (G. Fl.) in Sector-3 at HEC, Dhurwa, Ranchi	2,99,300.00	750.00	6000.00	1 Month
5	Renovation of "E" Type Qtr. No.-252 (F. Fl.) in Sector-2 at HEC, Dhurwa, Ranchi	29,60,000.00	5000.00	59500.00	1 Month

नोट :निविदा की शर्तें http://www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

कार्यपालक अभियन्ता
भवन निर्माण विभाग भवन प्रमण्डल संख्या–2, राँची

PR 387322 (Building)26-27*D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

जायज जेन-जी

अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने भी कहा है कि नई पीढ़ी को सुना जाना चाहिए। विरोध प्रदर्शन संवाद का एक वैध तरीका है। हाल ही में जेन-जी आंदोलन के प्रदर्शन के दौरान जो शिकायतें सामने आई हैं, वे जायज हैं। गुरुवार को जेन-जी से जुड़े एक कार्यक्रम में बातचीत के दौरान भागवत ने ये बातें कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि विरोध करने वाले राष्ट्रविरोधी नहीं हैं। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन भी सहमति बनाने का माध्यम है। हालांकि, विपक्ष ने तंज किया कि उन्हें यह सलाह सरकार को भी देनी चाहिए और यह भी कि आंदोलनकारियों की मांग को इतनी देर से क्यों सुना गया। बहरहाल, भागवत ने माना कि बहुत संभव है कि विरोध के दौरान मुद्दों को लेकर विचारों की भिन्नता हो, लेकिन चर्चा के बाद ही किसी विषय पर सहमति बनती है। साथ ही माना कि आंदोलन का उद्देश्य सहमति बनाना होना चाहिए, न कि समाज में विभाजन पैदा करना। उन्होंने माना कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में बहुत कुछ बदलाव की जरूरत है, जो अभी तक नहीं हो पाया है। यही वजह है कि छात्रों का गुस्सा सामने आ रहा है, जिसे संवाद से दूर करने की जरूरत है। साथ ही, सख्ती नहीं, बातचीत के जरिये अपनापन का अहसास कराना भी जरूरी है। यह भी कि जेन-जी और जेन-अल्फा की सोच पहले की पीढ़ियों से भिन्न है। पहले की पीढ़ी बड़ों की बात मान लेती थी, सवाल नहीं करती थी। लेकिन नई पीढ़ी सवाल करने के साथ ही तर्कसंगत जवाब की आकांक्षा रखती है। निस्संदेह, बहस से कई विचार सामने आते हैं। हर व्यक्ति का अलग दृष्टिकोण होता है। लेकिन इसका सकारात्मक पक्ष यह है कि एक ही विषय के कई पहलू सामने आ सकते हैं। यह तय है कि विचार-प्रतिविचार के मंथन से नई दिशा व नई तस्वीर उभरती है। विरोध करना बुरा नहीं है, लेकिन उसका स्वरूप लोकतांत्रिक होना चाहिए। भागवत ने इस बात पर भी बल दिया कि विरोध-आंदोलन संविधान की मयार्दा के दायरे में होना भी जरूरी है। समस्याओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए, लेकिन उसका लक्ष्य व्यक्ति का विरोध नहीं, बल्कि व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव होना चाहिए। साथ ही, संघ प्रमुख ने आरक्षण पर भी राय स्पष्ट की कि सामाजिक भेदभाव दूर करने तक आरक्षण की जरूरत होगी। लेकिन सवाल यह है कि इस सत्य से वाकिफ होने के बावजूद सरकारें क्यों टालमटोल का रवैया अपनाती हैं? यह संवादहीनता की स्थिति क्यों पैदा की जाती है? विडंबना यह है कि सरकारें तब जागती हैं जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाती है। सरकारों को लोकतंत्र में प्रतिरोध के स्वरों का भी सम्मान करना है। लोकतंत्र का आधार जनमत है। जनमत को सुना जाना चाहिए। आमतौर पर नागरिक तब ही सड़कों पर उतरते हैं जब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगता है। ऐसे में, शांतिपूर्ण प्रदर्शन और असहमति के स्वरों पर ध्यान देने की जरूरत है। आज जरूरत इस बात की है कि पुलिस को बताया जाए कि राष्ट्रविरोधियों और जायज मांगों के लिए आंदोलन कर रहे लोगों को एक ही लाठी से नहीं हांका जा सकता। खासकर, जेन-जी पर शक्ति प्रयोग असंतोष को उग्र बनाना ही है। सत्ताधीशों को इस बात का भान होना चाहिए कि असहमति और शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति से लोकतंत्र जीवंत होता है। सत्ता की उदासीनता और उपेक्षापूर्ण रवैये से आंदोलन की जमीन तैयार होती है। कालांतर में हठधर्मिता से यह आक्रोश को ही बढ़ाता है। सत्ताधीशों को समझना चाहिए कि लोकतंत्र में लोग अपनी बात सुनाने के लिए आंदोलन को विकल्प के तौर पर अपनाते हैं। ऐसे ही नीट प्रश्नपत्र मुद्दे पर समय रहते वे कदम पहले ही उठा लिए जाते, तो आंदोलन को व्यापक होने से टाला जा सकता था। अक्सर संवादहीनता की स्थिति में आंदोलन में राजनीतिक दल रोटियां सेंकने लगते हैं। निहित स्वार्थी तत्व इसमें अवसर तलाशने लगते हैं, जिससे आंदोलन की दिशा नियंत्रित नहीं रह सकती है। यही वजह है कि एक सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि युवाओं के गुस्से को शांत करने के लिए बातचीत जरूरी विकल्प है। निश्चित ही, पुलिस को भी संवेदनशील बनाने की जरूरत है। आशा है, भागवत की सलाह पर सरकारें ध्यान देंगी।

परीक्षा की घड़ी

ऐसे वक्त में जब नीट परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने से उपजे छात्र आक्रोश से देश हाल ही में दो-चार हुआ है, देश के परीक्षा सिस्टम पर प्रतिभागियों का भरोसा कायम करना अपरिहार्य शर्त है। हाल के वर्षों में केंद्रीय स्तर और राज्यों में विभिन्न परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने, परीक्षाएं स्थगित होने और परीक्षा परिणामों को लेकर किंतु-परंतु होने की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं। झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन बदस्तूर जारी है। ऐसे में विश्वसनीयता के सवालों से जूझ रही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए का इंटेलिजेंस, कानून लागू करने वाली एजेंसियों तथा डिफेंस फोर्सेज के अनुभवी लोगों को अपने परीक्षा सुरक्षा कमांड सेंटर में शामिल करने का निर्णय एक स्वागत योग्य कदम है। ये प्रयास दूसरी ओर हमें यह भी बताते हैं कि देश में महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षाएं कितनी संवेदनशील व असुरक्षित हो गई हैं। नए प्रावधानों के अनुसार इसके टेस्ट सिक्योरिटी और लाइव ऑपरेशन्स अनुभाग के प्रस्तावित जनरल मैनेजर परीक्षा प्रक्रिया के लगभग हर संवेदनशील हिस्से की देखरेख करेंगे, जिसके अंतर्गत प्रश्नपत्र तैयार करने, एन्क्रिप्शन से लेकर ट्रांसपोर्टेशन, स्टोरेज, वितरण और रियल-टाइम मॉनिटरिंग भी शामिल रहेगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन, सीसीटीवी निगरानी और परीक्षा के उपरांत डेटा एनालिसिस से परीक्षा व्यवस्था के पारदर्शी व विश्वसनीय होने की उम्मीद की जा सकती है। निस्संदेह, नीट प्रवेश परीक्षा विवाद के उपरांत प्रतिभागियों में भरोसा कायम करने की दिशा में यह एक गंभीर कोशिश होती नजर आती है। लेकिन एक बात तो तय है कि सिर्फ तकनीक के जरिए सिस्टम की खामियां दूर नहीं की जा सकतीं। हालिया नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण में सीबीआई की जांच में एनटीए के अपने ही गोपनीय विभाग में खामियां पाई गई थीं, मसलन संतोषजनक ढंग से तलाशी न लेना, सीसीटीवी की अपर्याप्त निगरानी, जिम्मेदारियों का सही बंटवारा न होना तथा अंतिम प्रश्न सेट तक बहुत अधिक लोगों की पहुंच होना, जिसने परीक्षा प्रश्नपत्र के लीक संकट को जन्म दिया।

दरअसल, सीबीआई जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि परीक्षा प्रश्नपत्र तैयार करने वाले विशेषज्ञ एक-दूसरे के संपर्क में थे, जिससे परीक्षा की गोपनीयता की सुरक्षा का एक बुनियादी नियम भंग हो गया। वास्तव में, नियमानुसार किसी भी एक व्यक्ति की पहुंच पेपर के सभी फाइनल सेट तक नहीं होनी चाहिए। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इस कथित गड़बड़ी के लिए किसी हाई-लेवल हैकिंग की जरूरत नहीं पड़ने दी गई। दरअसल, भ्रष्ट लोगों ने परीक्षा प्रक्रिया की मामूली खामियों का फायदा चालाकी से उठाया। निस्संदेह, यह बात किसी भी साइबर खतरे के मुकाबले नीति बनाने वालों के लिए चिंता की बात होनी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि दो सप्ताह पूर्व ही धर्मेंद्र प्रधान की जगह शिक्षा मंत्री बने प्रह्लाद जोशी के कंधों पर एक मजबूत, पारदर्शी और भरोसेमंद परीक्षा सिस्टम बनाने की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्हें विषय की संवेदनशीलता को समझते हुए तुरंत विश्वास बहाली के लिए काम आरंभ करना होगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि न केवल छात्र, बल्कि उनके अभिभावक व सारा देश फिर से निराश न हो सके। इसी तरह, एनटीए का प्रस्तावित कमांड सेंटर सिर्फ अफसरशाही का एक और विस्तार बनकर नहीं रह जाना चाहिए। वास्तविक अर्थों में इस प्रस्तावित कमांड सेंटर को स्वतंत्र रूप से काम करने का अवसर मिले, स्पष्ट रूप से जवाबदेही तय हो और सुरक्षा में कोई गड़बड़ी

युवा सपनों को पंख मिले, तभी नई ऊंचाईयां छुएगा भारत

भारत के लिए वर्ष 2026 का विषय बेहद प्रासंगिक है। राष्ट्रीय युवा नीति के मसौदे के अनुसार, भारत में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की संख्या 2021 के अनुमान मे लगभग 37.14 करोड़ यानी कुल आबादी का लगभग 27.3 प्रतिशत थी। यह विशाल युवा आबादी भारत के लिए अभूतपूर्व जनसांख्यिकीय लाभांश का अवसर है लेकिन तभी, जब युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों।

योगेश कुमार गोयल

युवा किसी भी राष्ट्र की जनसंख्या का केवल एक बड़ा हिस्सा नहीं बल्कि उसकी ऊर्जा, रचनात्मकता, नवाचार, परिवर्तन की आकांक्षा और भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण पूंजी होते हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों, समाज और आर्थिक परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं की समस्याएं भले ही अलग-अलग दिखाई दें लेकिन उनके सपनों और आकांक्षाओं में आश्चर्यजनक समानता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सम्मानजनक रोजगार, सुरक्षित और स्वस्थ जीवन, सामाजिक न्याय, स्वतंत्र अभिव्यक्ति तथा अपने भविष्य से जुड़े निर्णयों में सार्थक भागीदारी, ये ऐसी साझा आकांक्षाएं हैं, जो सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे पूरी दुनिया के युवाओं को एक सूत्र में जोड़ती हैं। इसी सार्वभौमिक सत्य को रेखांकित करता है अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 का विषय ह्यविभिन्न परिस्थितियां, साझा आकांक्षाएंह्ण। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस वर्ष की थीम वैश्विक एकजुटता, साझा चुनौतियों और युवा नवाचार को केंद्र में रखती है। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस प्रत्येक वर्ष 12 अगस्त को मनाया जाता है। इस दिवस की अवधारणा 1991 में वियना, ऑस्ट्रिया में आयोजित संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के विश्व युवा मंच के प्रथम सत्र में युवाओं द्वारा रखे गए प्रस्ताव से विकसित हुई थी और 12 अगस्त 2000 को पहली बार अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया। तब से यह दिवस युवाओं से जुड़े मुद्दों को वैश्विक विमर्श के केंद्र में लाने तथा उन्हें विकास प्रक्रिया का सक्रिय भागीदार बनाने का माध्यम बना हुआ है। वर्ष 2026 की थीम अपने आप में आज की युवा पीढ़ी की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करती है। दुनिया का कोई युवा युद्ध और विस्थापन के बीच भविष्य तलाश रहा है, कोई जलवायु परिवर्तन से प्रभावित छोटे द्वीपीय देश में अपने अस्तित्व की चिंता कर रहा है तो कोई कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तेजी से बदलती रोजगार व्यवस्था के बीच अपने कौशल को प्रासंगिक बनाए रखने की चुनौती से जूझ रहा है। कहीं युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच नहीं मिलती, कहीं शिक्षा तो है लेकिन रोजगार के अवसर सीमित हैं। कहीं डिजिटल तकनीक अवसरों के नए द्वार खोल रही है तो कहीं डिजिटल विभाजन युवाओं को विकास की मुख्यधारा से बाहर कर रहा है।

संयुक्त राष्ट्र का आकलन बताता है कि शिक्षा, रोजगार, जलवायु परिवर्तन, डिजिटल समावेशन और मानसिक स्वास्थ्य जैसी चुनौतियां अलग-अलग परिस्थितियों में रहने वाले युवाओं को साझा रूप से प्रभावित कर रही हैं। इसके बावजूद युवा दुनिया की सबसे बड़ी परिवर्तनकारी शक्ति हैं। वे जलवायु कार्रवाई में नेतृत्व कर रहे हैं, सामाजिक उद्यम खड़े कर रहे हैं, डिजिटल समाधान विकसित कर रहे हैं, नई तकनीकों को अपना रहे हैं और अपने समुदायों की समस्याओं के स्थानीय समाधान खोज रहे हैं। भारत के लिए वर्ष 2026 का विषय बेहद प्रासंगिक है। राष्ट्रीय युवा नीति के मसौदे के अनुसार, भारत में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की संख्या 2021 के अनुमान में लगभग 37.14 करोड़ यानी कुल आबादी का लगभग 27.3 प्रतिशत थी। यह विशाल युवा आबादी भारत के लिए अभूतपूर्व जनसांख्यिकीय लाभांश का अवसर है लेकिन तभी, जब युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों। उसी नीति दस्तावेज में यह भी रेखांकित किया गया है कि बड़ी संख्या में युवा शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण से बाहर हैं। भारत में विभिन्न कार्यक्रम युवाओं की क्षमता को अलग-अलग क्षेत्रों में विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन इन योजनाओं की सफलता का वास्तविक पैमाना यह है कि उनका लाभ अंतिम पंक्ति के युवा तक कितनी प्रभावी ढ़ंग से पहुंच रहा है। आज युवा केवल नौकरी नहीं चाहता बल्कि वह ऐसी व्यवस्था चाहता है, जिसमें उसकी मेहनत, योग्यता और समय का सम्मान हो। यही कारण है कि भर्ती परीक्षाओं में अनियमितता, पेपर लीक, परिणामों में देरी और नियुक्तियों की अनिश्चितता जैसे मुद्दे युवाओं के लिए उनके जीवन के वर्षों और सपनों से जुड़े प्रश्न बन जाते हैं। दिल्ली का जंतर-मंतर इस युवा बेचैनी और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण प्रतीक बनकर उभरा। परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के मुद्दे पर वहां हुए युवा विरोध प्रदर्शनों ने दिखाया कि अलग-अलग राज्यों और सामाजिक पृष्ठभूमियों से आए विद्यार्थी तथा अभ्यर्थी एक साझा मांग (परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही) के साथ खड़े हो सकते हैं। जून-जुलाई 2026 में परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर जंतर-मंतर पर चले प्रदर्शन में देश के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थी, अभिभावक और अभ्यर्थी पहुंचे। कुछ प्रदर्शनकारी लंबे समय तक वहां डटे रहे और परीक्षा व्यवस्था में जवाबदेही की मांग उठाते रहे।

इसी पृष्ठभूमि में झारखंड में युवाओं का हालिया आक्रोश इस वर्ष की थीम को और अधिक जीवंत बना देता है। राज्य में जेपीएससी और जेएसएससी से जुड़ी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में जुलाई से अगस्त 2026 तक आंदोलन तेज हुआ। 22 जुलाई को जेपीएससी ने राज्य सिविल सेवा मुख्य परीक्षा स्थगित की और इसी दौरान सीआईडी ने परीक्षा प्रक्रिया से जुड़े कुछ लोगों की गिरफ्तारी की, जिसके बाद अभ्यर्थियों के विरोध प्रदर्शनों ने व्यापक रूप लिया। 30 जुलाई को रांची में युवाओं और छात्र संगठनों ने जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में मार्च निकाला और 14व जेपीएससी परीक्षा की जांच तथा भर्ती व्यवस्था में सुधा की मांग की। अगस्त में आंदोलन और तीव्र हुआ तथ 10 अगस्त को हजारों युवा विधानसभा की ओर मा करते हुए पुलिस से भिड़ गए। पुलिस द्वारा आंसू गैस पानी की बौछार और बल प्रयोग किए जाने की खब सामने आई। यह घटनाक्रम बताता है कि जब युवा के भीतर रोजगार, परीक्षा की निष्पक्षता और भविष्य व सुरक्षा को लेकर लंबे समय तक असुरक्षा जमा हो रहती है तो असंतोष व्यापक सामाजिक आंदोलन व रूप ले सकता है। इन आंदोलनों का सबसे महत्वपू संदेश यह है कि युवा अब केवल नीति के लाभार्थी ब रहना नहीं चाहते; वे नीति और व्यवस्था की गुणवत्ता प सवाल पूछने वाले सक्रिय नागरिक भी हैं। परीक्षा में व की मेहनत लगाने वाले विद्यार्थी के लिए एक कथि पेपर लीक या भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता केवल ए परीक्षा का संकट नहीं होती। उसके पीछे परिवार व आर्थिक उम्मीदें, कई वर्षों की तैयारी, मानसिक दबा और जीवन की दिशा जुड़ी होती है। यही कारण है वि पारदर्शी और समयबद्ध भर्ती व्यवस्था आज यु आकांक्षाओं की सबसे महत्वपूर्ण मांगों में शामिल है दिल्ली का जंतर-मंतर हो या रांची की सड़के परिस्थितियां अलग हैं लेकिन आकांक्षा एक ही है योग्यता का सम्मान, व्यवस्था में पारदर्शिता और भवि का भरोसा। इन आंदोलनों को केवल राजनीतिक विरो या कानून-व्यवस्था की समस्या के रूप में देखना यु मनोविज्ञान को समझने में चूक होगी। लोकतंत्र शांतिपूर्ण विरोध युवाओं के नागरिक अधिकारों औ उनकी सक्रिय भागीदारी का महत्वपूर्ण माध्यम है। सा ही आंदोलनों का शांतिपूर्ण रहना, संवाद के रास्ते खु रखना और किसी भी प्रकार की हिंसा से बचना भ उतना ही आवश्यक है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नई पीढ़ी, निरंतर संवाद और शताब्दी के बाद भी जीवंत संगठनात्मक ऊर्जा

डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने जब कुछ बालकों को साथ लेकर संगठनात्मक कार्य का प्रारंभ किया, तब उनके पास न कोई विशाल संस्थागत ढाँचा था, न संसाधनों की प्रचुरता और न ही किसी स्थापित शक्ति का संरक्षण। उनके पास था–युवा मन, संगठन का संस्कार और राष्ट्र के प्रति समर्पण। शुरूआत में संघ को बच्चों का खेल कहा गया।

जे. नंदकुमार

सौ वर्ष पूरे कर चुका कोई संगठन सामान्यतः अपनी आयु के भार से पहचाना जाता है। उसके इतिहास की चर्चा उसके वर्तमान से अधिक होती है और उसकी स्मृतियाँ उसके भविष्य पर हावी होने लगती हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संदर्भ में स्थिति कुछ अलग दिखाई देती है। संघ की शताब्दी का सबसे उल्लेखनीय पक्ष उसका अतीत नहीं बल्कि उसकी युवा होती वर्तमान चेतना है। आज यदि संघ की किसी शाखा में जाएँ तो वहाँ उसकी शताब्दी का भार नहीं, बल्कि सोलह वर्ष की ऊर्जा दिखाई देती है। यही वह बिंदु है जहाँ संघ और नई पीढ़ी के संबंध को समझना आवश्यक हो जाता है। हाल ही में मुंबई में 6 अगस्त को सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का युवाओं के साथ संवाद इसी वास्तविकता का सहज उदाहरण बनकर सामने आया। जे-जी की भाषा और अभिव्यक्ति के एक लोकप्रिय संकेत को उन्होंने स्वयं अपनाया और मुस्कराकर कहा–आज मैंने आपसे एक नई अभिव्यक्ति सीखी। यह छोटा-सा प्रसंग केवल सोशल मीडिया पर वायरल हुआ कोई मनोरंजक दृश्य नहीं था। इसके पीछे एक गहरा सामाजिक और संगठनात्मक संदेश छिपा था-पीढ़ियों के बीच संवाद तभी संभव है, जब दोनों पक्ष एक-दूसरे से सीखने को तैयार हों। यह ऐसी पीढ़ी है जो डिजिटल तकनीक के साथ बड़ी हुई है, जिसकी भाषा पिछली पीढ़ियों से अलग है, जिसके प्रश्न अलग हैं और जिसकी सामाजिक संवेदनाएँ भी बदल रही हैं। इसलिए स्वाभाविक प्रश्न उठता है कि एक शताब्दी पुराने संगठन का नेतृत्व करने वाला व्यक्ति इस पीढ़ी से इतनी सहजता से कैसे संवाद स्थापित कर पाता है? इसका उत्तर किसी संचार-तकनीक में नहीं बल्कि संघ की मूल संगठनात्मक संस्कृति में छिपा है। संघ को समझने के लिए उसके इतिहास के प्रारंभिक क्षणों को याद करना होगा। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने जब कुछ बालकों को साथ लेकर संगठनात्मक कार्य का प्रारंभ किया, तब उनके पास न कोई विशाल संस्थागत ढाँचा था, न संसाधनों की प्रचुरता और न ही किसी स्थापित शक्ति का संरक्षण। उनके पास था-युवा मन, संगठन का संस्कार और राष्ट्र के प्रति समर्पण। शुरूआत में संघ को ह्लबच्चों का खेलह्व कहा गया। उसे ह्लबॉयज क्लबह्व कहकर उसकी उपेक्षा की गई। लेकिन इतिहास की विडंबना देखिए कि जिस संगठन को कभी बच्चों का खेल समझा गया, उसी ने आगे चलकर देश के सामाजिक जीवन के अनेक क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रतिबंध आए। आपातकाल आया। युद्ध और प्राकृतिक आपदाएँ आईं। अनेक स्वयंसेवकों को कठिनाइयों और यातनाओं का सामना करना पड़ा। हर संकट में एक पीढ़ी ने दूसरी पीढ़ी को पीछे छोड़ते हुए दायित्व संभाला। संघ का इतिहास वास्तव में पीढ़ियों के हस्तांतरण का इतिहास है। यही उसकी सबसे बड़ी संगठनात्मक शक्ति है। 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार संघ की शाखाओं की संख्या 88,949 तक पहुँची है। लेकिन किसी संगठन की शक्ति केवल उसकी संख्या से नहीं मापी जाती। अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि उन शाखाओं में सक्रिय कौन है? उत्तर है–युवा। 2025 के विजयादशमी कार्यक्रम में 27,08,186 तरुण और 5,36,955 बाल स्वयंसेवकों की सहभागिता तथा देशभर के पथसंचलनों में लाखों युवाओं और बाल स्वयंसेवकों की भागीदारी केवल सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है। यह उस सामाजिक ऊर्जा का संकेत है जो संघ के संगठनात्मक जीवन को निरंतर गतिशील बनाए हुए है। दैनिक शाखाओं में 60 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी इस तथ्य को और स्पष्ट करती है। कोविड जैसी असाधारण परिस्थिति में भी लगभग 61 प्रतिशत दैनिक शाखा सहभागियों का विद्यार्थी होना यह बताता है कि संघ की संगठनात्मक धारा का बड़ा हिस्सा नई पीढ़ी से जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि संघ को केवल सौ वर्ष पुरानी संस्था कहना अधूरा होगा। संघ सौ वर्ष पुराना है; लेकिन उसकी संगठनात्मक ऊर्जा लगातार नई होती रही है। शायद इसी अर्थ में कहा जा सकता है-संघ की आयु सदा सोलह वर्ष है। युवा शक्ति की वास्तविक परीक्षा केवल किसी कार्यक्रम में उपस्थिति से नहीं होती। वह तब सामने आती है जब युवा अपने समय, प्रतिभा और सुविधा का त्याग कर किसी व्यापक उद्देश्य के लिए स्वयं को समर्पित करता है। शताब्दी वर्ष में पूर्णकालिक विस्तारक के रूप में दो वर्ष देने के आह्वान पर 2,453 स्वयंसेवकों का आगे आना इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह उस पीढ़ी की तस्वीर प्रस्तुत करता है जिसके बारे में अक्सर कहा जाता है कि वह सुविधा, तात्कालिकता और व्यक्तिगत सफलता को सर्वोच्च मानती है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पक्ष भी है। आज भी हजारों युवा ऐसे हैं जो अपने व्यक्तिगत जीवन की गति को कुछ समय के लिए रोककर समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करने का निर्णय लेते हैं। यही किसी भी विचार-आधारित संगठन के भविष्य की वास्तविक पूँजी होती है। 2025 की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के संदर्भ में प्रस्तुत आँकड़ा भी उल्लेखनीय है। प्रारंभिक व में सहभागी 2,22,962 स्वयंसेवकों में से 1,63,00 की आयु 14 से 25 वर्ष के बीच थी। यह संख्या एक प्रश्न भी पूछती है- क्या हम युवा पीढ़ी को केवल उपभोक्ता मानते हैं या उसे समाज-निर्माण का सक्रि कर्ता भी मानते हैं? संघ की संगठनात्मक दृष्टि क उत्तर स्पष्ट है। युवा भविष्य नहीं है; युवा वर्तमान क कर्ता है। आज के युवा की दुनिया बदल गई है उसका सामाजिक संपर्क मोबाइल स्क्रीन पर है सूचना का प्रवाह सेकंडों में होता है और उसकी भाषा लगातार बदलती रहती है। ऐसे समय में किस शताब्दी पुराने संगठन का उसके साथ संवाद स्थापि कर पाना अपने आप में अध्ययन का विषय है लेकिन यहाँ संघ की एक विशेषता सामने आती है संघ ने नई पीढ़ी से संवाद करने के लिए केवल न भाषा सीखने की कोशिश नहीं की; उसने उसके बीच जाकर संवाद की परंपरा को ही निरंतर बनाए रखा ह्लखङ्क्षल्ल फरुह्व जैसे ऑनलाइन माध्यम से कोवि काल में 1,25,000 युवाओं द्वारा संघ से जुड़ने क इच्छा व्यक्त करना इसी बदलते परिवेश का संकेत है 2012 में इस मंच की शुरूआत के बाद से लाखं युवाओं ने इसके माध्यम से संघ की गतिविधियों रुचि दिखाई है। यहाँ डिजिटल माध्यम साधन है संबंध का मूल आधार नहीं। मूल आधार है- प्रत्यक्ष संपर्क। शाखा का पूरा ढाँचा इसी प्रत्यक्ष संपर्क प आधारित है। व्यक्ति से व्यक्ति संवाद, साथ बैठना साथ खेलना, साथ सीखना और साथ काम करना यह संगठनात्मक पद्धति किसी सोशल मीडिय एल्गोरिद्म पर निर्भर नहीं है। शायद यही कारण है कि संघ डिजिटल युग की पीढ़ी से संवाद करते हुए भ अपनी मूल संगठनात्मक प्रकृति को बनाए रख सकता है।

रुद्राभिषेक की हर सामग्री में छिपा है जीवन का महा मंत्र

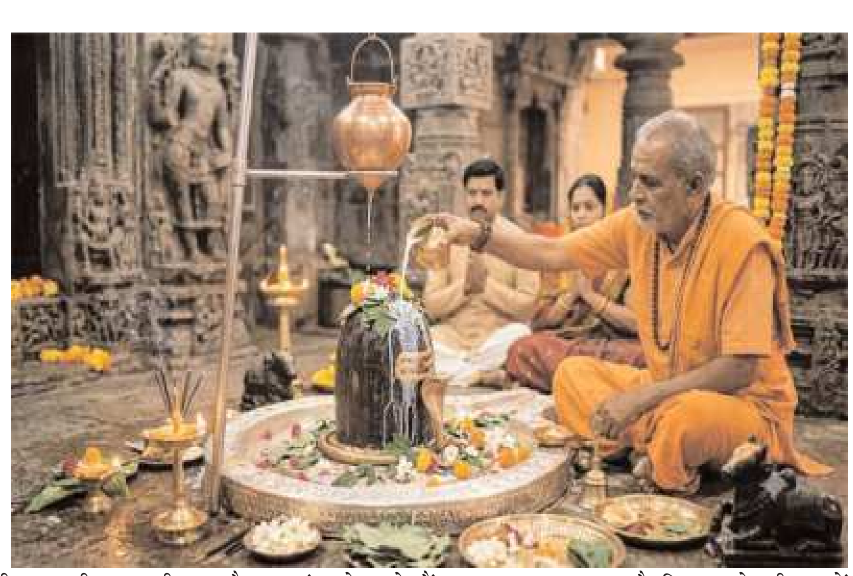

हिंदू सावन का महीना भगवान भोलेनाथ की उपासना का सबसे सुंदर समय माना जाता है। श्रावण मास में विशेष रूप से रुद्राभिषेक का आयोजन किया जाता है। वैदिक परंपरा में रुद्राभिषेक केवल शिव लिंग का स्नान नहीं, बल्कि हमारे मन,बुद्धि और आत्मा के शुद्धिकरण का अनुष्ठान भी माना गया है। रुद्राभिषेक की हर सामग्री में हमारे किसी न किसी सद्गुण को जागृत करने की शक्ति छिपी होती है। आइए जानते हैं-

1) जल- रुद्राभिषेक की शुरूआत जल से होती है। जल ही जीवन है यह पवित्रता और स्वच्छता का प्रतीक है। मनुष्य का स्वभाव भी जल की तरह शीतल और निर्मल होना चाहिए । जलाभिषेक करने से क्रोध, अहंकार और कटुता के भाव शांत हो जाते हैं।

2) दूध- शुद्धता, मातृत्व और सात्विकता का प्रतीक है। शिवलिंग पर दूध चढ़ाने का भाव है कि हमारे जीवन में भी करुणा, दया और शुद्धता बनी रहे।

3) दही- परिवर्तन और परिपक्वता का प्रतीक है। यह सिखाता है कि जीवन में परिस्थितियाँ बदलती रहेंगी लेकिन मन का संतुलन नहीं बिगड़ना चाहिए। धैर्य से काम लेना चाहिए।

4) घी झ घी अग्नि को प्रज्वलित करता है। यह ज्ञान और ऊर्जा का प्रतीक है। इसका संदेश है कि हमारे जीवन में सत्कर्मों की ज्योति सदा जलती रहे।

5) शहद- शहद को मिठास का प्रतीक माना जाता है। शिव भक्ति तभी पूर्ण मानी जाती है, जब हमारे व्यवहार में मिठास, विनम्रता और प्रेम नजर आए।

6) शक्कर और मिश्री- शक्कर और मिश्री का स्वाद मीठा होता है और स्वभाव भी पारदर्शी होता है। हमारा चरित्र भी सरल पारदर्शी और मिठास से भरा होना चाहिए। धर्मऔर श्रद्धा

7) बिल्वपत्र झ त्रि गुणों पर विजय प्राप्त करने का प्रतीक है। शिवजी को तीन पत्तों वाला विल्वपत्र अति प्रिय है। विल्वपत्र चढ़ाने का अर्थ है कि मनुष्य अपने भीतर के काम, क्रोध और लोभ पर विजय प्राप्त करे।

8) धतूरा और भस्म- धतूरा विषैला फल है जो संदेश देता है कि जीवन की कटुता को भी साधना के जरिए मधुरता में बदला जा सकता है वहीं भस्म याद दिलाती है कि यह देह नश्वर है अंत में जलकर भस्म हो जाएगी। इसलिए हमारे जीवन में अहंकार का कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

15वें वित्त आयोग के योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

चयनित योजनाओं में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने पर दे विशेष जोरः उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंजःउपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला परिषद, प्रखंडवार पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत स्तर पर 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के विरुद्ध किए जा रहे व्यय एवं योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और राशि के व्यय की प्रगति में तेजी लाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने आगामी जीपीडीपी के तहत चयनित योजनाओं में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने योजनाओं के चयन एवं क्रियान्वयन में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को प्राथमिकता देने तथा योजनाओं से संबंधित आवश्यक प्रविष्टियों एवं प्रगति की जानकारी को ससमय

पोर्टल पर अपलोड करने का निर्देश दिया।उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने तथा योजनाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा।बैठक में जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, कनीय अभियंता एवं अन्य उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण, कहा-समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना करें सुनिश्चितः संजय

साहिबगंज:उपायुक्त–सह–जिला दंडाधिकारी साहिबगंज के निदेर्शानुसार परियोजना निदेशक आईटीडीए संजय कुमार दास ने आज सदर अस्पताल साहिबगंज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं मरीजों को प्रदान की जा रही चिकित्सा सेवाओंक्षअस्पताल की समग्र व्यवस्थाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना था।औचक निरीक्षण के दौरान परियोजना निदेशक ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों ओपीडी आपातकालीन सेवाओं दवा वितरण जांच एवं अन्य प्रमुख चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्वच्छता साफ–सफाई मरीजों की सुविधा चिकित्सकीय सेवाओं की उपलब्धता तथा आवश्यक संसाधनों की स्थिति की जानकारी ली।उन्होंने चिकित्सकों स्वास्थ्यकर्मियों से अस्पताल में आने वाले मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा मरीजों एवं उनके परिजनों से भी बातचीत कर चिकित्सा सुविधा, दवा, जांच अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया।परियोजना निदेशक ने संबंधित पदाधिकारियों व कर्मियों को निर्देशित किया कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को सम्मानजनक व्यवहार के साथ समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने तथा मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं आमजनों से सीधे जुड़ी हुई हैं और सरकारी अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मरीजों को गुणवत्तापूर्ण इलाज आवश्यक दवाएं एवं जांच की सुविधा सुचारू रूप से मिले इसे लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार की संभावनाओं

स्वतंत्रता दिवस पर जिला प्रशासन आयोजित करेगा भव्य क्रॉस कंट्री दौड़

साहिबगंज:स्वतंत्रता दिवस 2026 के पावन अवसर पर जिला प्रशासन, साहेबगंज द्वारा जिले में देशभक्ति, युवा उत्साह, स्वस्थ जीवनशैली एवं खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से14 अगस्त 2026 को प्रातः 6:00 बजे भव्य क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया जाएगा।क्रॉस कंट्री दौड़ का शुभारंभ साक्षरता चौक से होगा और प्रतिभागी निर्धारित मार्ग से होते हुए समाहरणालय परिसर तक पहुंचेंगे। प्रतियोगिता में महिला एवं पुरुष वर्ग के प्रतिभागी भाग लेंगे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता एवं प्रतिभागियों को जिला प्रशासन की ओर से पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा।स्वतंत्रता दिवस के उत्सवी माहौल में आयोजित यह क्रॉस कंट्री दौड़ केवल एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज अनुशासन एकता और राष्ट्रप्रेम का संदेश देने वाली पहल है। दौड़ के माध्यम से युवाओं व आम नागरिकों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के साथ–साथ फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया जाएगा। जिला प्रशासन की ओर से जिले के युवा, युवतियों, खेलप्रेमियों एवं आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं और स्वतंत्रता दिवस के उत्सव को उत्साह, उमंग एवं देशभक्ति की भावना से और भी यादगार बनाएं। आइए, दौड़ें स्वास्थ्य के लिए दौड़ें ,राष्ट्र के लिए,दौड़ें नए साहिबगंज के लिए। 14 अगस्त समयः प्रातः 6:00 बजे । प्रारंभ स्थल साक्षरता चौक साहिबगंज समापन स्थल समाहरणालय साहिबगंज प्रतियोगिता महिला एवं पुरुष वर्ग जिला प्रशासन साहिबगंज ।

डीएपी और यूरिया सरकारी दर से अधिक मूल्य पर बेचे जाने को लेकर विधायक ने मंत्री से की शिकायत

संवाददाता

साहिबगंजःडीएपी और यूरिया सरकारी दर से अधिक मूल्य पर बरहरवा कोटालपोखर गुमानी के स्थानीय बाजारों में वसूला जा रहा है जिसे लेकर पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक निसात आलम ने झारखंड सरकार के कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से मुलाकात कर शिकायत किया है। विधायक ने बताया कि सरकारी दर डीएपी का 1350 रुपए प्रति बोरा एवं यूरिया का 266 रुपया 50 पैसे प्रति बोरा निर्धारित किया गया है,लेकिन अभी स्थानीय बाजार में डीएपी का 1850 रुपया तथा यूरिया का 350 रुपए प्रति बोरा की दर से बचा जा रहा है जिससे किसानों को सरकारी दर से अधिक मूल्य पर डीएपी और यूरिया खरीदना पड़ रहा है और उन्हें काफी परेशानी हो रही है जब उसकी शिकायत किसानों के द्वारा उनको किया गया तब मामले को लेकर विभाग के अधिकारियों से भी वार्ता किया तथा विभाग के मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की से मुलाकात कर पूरे मामले की जानकारी दी है कृषि मंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से इस समस्या का समाधान तुरंत करने का आश्वासन दिया है साथ ही विधायक ने पूरे मामले का जांच एक उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर किए जाने की भी मांग किया है। ताकि इस सिंडिकेट में शामिल सभी लोगों पर कार्रवाई भी हो सके।

हर घर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम आयोजित, निकाली गयी रैली

संवाददाता

साहिबगंज/राजमहलः मॉडल कॉलेज राजमहल, साहिबगंज में प्राचार्य डॉ. सिदाम सिंह मुंडा की अध्यक्षता में एनएसएस की दोनों इकाइयों के संयुक्त तत्वावधान में हर घर तिरंगा यात्रा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर से तिरंगा रैली निकाली गई। जिसमें सैकड़ों एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वयंसेवकों ने देशभक्ति नारों के साथ लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा राष्ट्र के प्रति सम्मान और गौरव की भावना जागृत करने के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सिदाम सिंह मुंडा ने कहा कि तिरंगा हमारी राष्ट्रीय एकता,

अखंडता, त्याग और गौरव का प्रतीक है। हर घर तिरंगा अभियान केवल तिरंगा फहराने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अभियान है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों में सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने और समाज में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने का आह्वान किया। कार्यक्रम एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रमजान अली एवं डॉ. अमित कुमार के नेतृत्व में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक देशभक्ति के नारे लगाते हुए आम लोगों को अभियान

झारखंड मजदूर संघ की जिला कमेटी का आंशिक विस्तार,संगठन मजबूती पर हुआ मंथन

साहिबगंजःशहर के मछुआ सोसाइटी परिसर में झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की ओर से संगठन की मजबूती विस्तार एवं सदस्यता अभियान को लेकर बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता संघ के जिला अध्यक्ष मनोज सोरेन ने की। इस अवसर पर केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव,केंद्रीय सहायक मंत्री गणेश ठाकुर एवं केंद्रीय उपाध्यक्ष फूल कुमारी देवी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, अधिक से अधिक मजदूरों को संघ से जोड़ने तथा सदस्यता अभियान को गति देने को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से संघ के नियमों एवं सिद्धांतों के अनुरूप अनुशासन के साथ कार्य करने और मजदूरों के हितों की आवाज मजबूती से उठाने का आह्वान किया। बैठक के बाद केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने जिला कमेटी का आंशिक विस्तार करते हुए विभिन्न पदों पर नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। इसमें उपाध्यक्ष मोहम्मद अजीमुद्दीन नदब, संयुक्त मंत्री मुन्ना मरांडी,सहायक मंत्री मोहम्मद बहादुर रहमान,संगठन मंत्री उम्मत खुश मुर्मू को जिम्मेदारी दी गई। वहीं विजय यादव,संजय रजक,मुन्ना यादव, जिया उल हक एवं अमीन खान को जिला कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए नियमित रूप से सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है।उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता संघ के नियमों और सिद्धांतों के आधार पर एकजुट होकर काम करें। उन्होंने कहा कि संगठन में एकजुटता और मजबूत भागीदारी के माध्यम से समाज एवं मजदूर वर्ग के हितों को आगे बढ़ाया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर जागृति योजना 2025 के तहत सशक्त युवा सशक्त भारत अभियान

– सशक्त युवा सशक्त भारत अभियान का व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता

साहिबगंजःअंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार एवं झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निदेर्शानुसार साहिबगंज जिले में जागृति योजना 2025 के तहत सशक्त युवा सशक्त भारत अभियान का व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।पूरे माह चलने वाले इस विशेष अभियान को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज अखिल कुमार द्वारा विशेष प्रधानता दी गई है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष अखिल कुमार ने अभियान की महत्ता को देखते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज के सचिव विश्वनाथ भगत को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए अभियान का प्रभावी एवं व्यापक अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने निर्देश दिया है कि जिले के अधिक से अधिक विद्यालयों महाविद्यालयों ग्राम पंचायतों एवं ग्रामीण तथा सामुदायिक क्षेत्रों तक विधिक जागरूकता कार्यक्रमों की पहुंच सुनिश्चित की जाए, ताकि युवा अपने अधिकारों, कर्तव्यों एवं कानूनी संरक्षण के प्रति जागरूक हो सकें। निर्देश के अनुपालन में सचिव विश्वनाथ भगत द्वारा जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को उनके मौलिक अधिकारों, किशोर न्याय व्यवस्था कानून के उल्लंघन की स्थिति में किशोरों के अधिकार पहली बार अपराध करने वाले युवाओं के पुनर्वास एवं मुख्यधारा में वापसी सहित विभिन्न महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जा रही है।इसके साथ ही वर्तमान समय की चुनौतियों को देखते हुए युवाओं को साइबर अपराध, एआई आधारित धोखाधड़ी डीपफेक ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी एवं अन्य डिजिटल अपराधों से बचाव के व्यावहारिक उपायों के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है।शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग विरोधी कानून एवं एन एएल एस ए2026 के संबंध में भी विद्यार्थियों को जानकारी दी जा रही है। अभियान का उद्देश्य केवल कानूनी जानकारी देना ही नहीं बल्कि युवाओं को जिम्मेदार, जागरूक और सशक्त नागरिक बनाना है। उन्होंने बताया कि पैरा लीगल वॉलंटियर्स न्याय मित्र इस अभियान को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पीएलभीएस की सक्रिय भागीदारी से सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी युवाओं एवं आम लोगों तक विधिक जागरूकता का संदेश पहुंचाया जा रहा है।

युवा सरपंच स्मृति सिंह ने सुरक्षित मेन्स्ट्रुअल हाइजीन पर चलाया मुहीम

- ✔ ग्रामीण छात्राओं के लिए जो पराली,राख और फटे–पुराने कपड़े इस्तेमाल करने को थीं मजबूर
- ✔ ऐवरटीन ने स्वतंत्रता दिवस से पहले सरकारी स्कूल, कला और रतसर इंटर कॉलेज में सैकड़ों लड़कियों को दिया मुफ़्त सैनिटरी पैड

दिनेश सिंह

बलियाः मेन्स्ट्रुअल हेल्थ अवेयरनेस में तरक्की के बावजूद भारत में लाखों टीनएज लड़कियों को , खासकर ग्रामीण इलाकों में सेफ पीरियड केयर पाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए भारत सरकार की लेटेस्ट पीरियड हाइजीन पॉलिसी (2025-26) के मुताबिक, लगभग पांच में से एक युवा लड़की को अभी भी हाइजीनिक पीरियड्स प्रोटेक्शन नहीं मिल पाता है, जिसमें गरीबी, अफोर्डेबिलिटी और कम अवेयरनेस बड़ी रुकावटें बनी हुई हैं। कई पिछड़े इलाकों में, लड़कियां अनहाइजीनिक ऑप्शन पर निर्भर रहती हैं जो उनकी हेल्थ, गरिमा और पढ़ाई पर सवालिया निशान खड़े करते हैं।

अपने गांव की इस कड़वी सच्चाई को बदलने के लिए, यूपी के बलिया जिले के रतसर कला की सरपंच स्मृति सिंह ने ऐवरटीन के साथ पार्टनरशिप की, जो भारत का एक जाना-माना फेमिनिन हाइजीन ब्रांड है। उन्होंने ऐवरटीन रूरल मेंस्ट्रुअल हाइजीन कैंप के दौरान सरकारी स्कूल, रतसर कला और सरकारी रतसर इंटर कॉलेज में पढ़ने वाली आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सैकड़ों लड़कियों को फ्री सैनिटरी पैड, पीरियड ट्रैकर, पीरियड कैलेंडर और मेंस्ट्रुअल हाइजीन से जुड़े अवेयरनेस मटीरियल दिए। स्वतंत्रता दिवस से पहले, इस पहल का मकसद युवा लड़कियों तक सही मायनों में आजादी का परिचय कराना था । ज्यादा आत्म-विश्वास के साथ स्कूल जाने और सुरक्षित मेंस्ट्रुअल हाइजीन तरीकों को अपनाकर अपने पीरियड डिग्निटी बरकरार रखने की आजादी।

स्मृति सिंह ने ऐवरटीन से संपर्क कर इन दो सरकारी संस्थानों में पढ़ने वाली किशोर लड़कियों के लिए मदद मांगी थी, जिनमें पढ़ने वाली अधिकतर बच्चियाँ आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आती हैं, और सुरक्षित पीरियड स्वच्छता उत्पाद पाने के लिए जूझती हैं।

स्मृति सिंह,सरपंच, रतसर कलाने कहा, मेरे क्षेत्र की बहुत सारी बच्चियों और महिलाओं से बात करने पर मुझे पता चला कि वो पीरियड में राख का, पराली का और फटे पुराने कपड़े का यूज करती हैं जिससे उन्हें बहुत सारे हेल्थ इशूज होती हैं, हाइजीन मैन्टैन नहीं हो पाता और वो स्कूल भी ड्रॉप कर देती हैं। मैं हृदय से ऐवरटीन का आभार करती हूँ जिन्होंने मेरे आग्रह पर मेरे यहाँ की बच्चियों के लिए सैनिटेरी पैड, पीरीअड ट्रैकर और पीरीअड कैलंडर भिजवाए। पान हेल्थकेयर के सीईओ

चिराग पान ने कहा, जब हमने युवा सरपंच स्मृति सिंह का ईमेल देखा, जिसमें उन्होंने अपने गांव की लड़कियों के लिए मदद मांगी थी, तो समुदाय में मासिक धर्म स्वच्छता मानकों को बेहतर बनाने के लिए उनके सक्रिय प्रयाससे हम बहुत प्रेरित हुए। उनके जैसे लीडर दशार्ते हैं कि कैसे सार्थक सामाजिक परिवर्तनअक्सर जमीनी स्तर से शुरू होते हैं। ऐवरटीन में, हम मानते हैं कि पीरियड हाइजीन की उपलब्धता सेहत, डिग्निटी, शिक्षा और जेंडर इक्वालिटी के लिए जरूरी है, और हम ग्रामीण भारत में मासिक धर्म स्वास्थ्य को बढ़ावा देने की इस मुहीम में उनके साथ पार्टनरशिप करके गौरान्वित है। डॉ. अल्पना कंसल, प्रेसिडेंट, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, गाजियाबादने बताया, मेंस्ट्रुअल हाइजीन को एक जरूरी पब्लिक हेल्थ मुद्दे के तौर पर देखा जाना चाहिए। पीयरजेजर्नल में छपे एनएफएचएस-5 डेटा के एनालिसिस से पता चला कि हाइजीनिक मेंस्ट्रुअल मटीरियल इस्तेमाल करने वाली महिलाओं में रिप्रोडक्टिव ट्रैक्ट इन्फेक्शन कम पाए गए। क्लिनिकल नजरिए से भी हम अक्सर खराब मेंस्ट्रुअल हाइजीन प्रैक्टिस से होने वाली हेल्थ प्रॉब्लम देखते हैं जिनसे बचा जा सकता था। अच्छी क्वालिटी के मेंस्ट्रुअल हाइजीन प्रोडक्ट्स तक पहुंच उनके बारे में एजुकेशन को बेहतर बनाना टीनएज लड़कियों के लिए सबसे आसान और सबसे असरदार पब्लिक हेल्थ इंटरवेंशन में से एक है।

ग्रामीण भारत में सार्थक सामाजिक बदलाव लाने वाले ग्रासरूट नेताओं की नई पीढ़ी को रिप्रेजेंट करने वाली स्मृति सिंह पहली बार नेशनल सुर्खियों में तब आईं थीं जब उन्होंने ग्राम प्रधान चुनाव में सबसे ज्यादा अंतर से जीत का नेशनल रिकॉर्ड बनाया था। उन्हें भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंदुस्तान पूर्वांचल सम्मान समारोह में भी सम्मानित किया था, और वे नेपाल में एक सार्क कॉन्फ्रेंस में भारत को रिप्रेजेंट भी कर चुकी हैं। इस साल उन्होंने महिला लीडरशिप और पब्लिक पॉलिसी पर यूएन वुमन के 'शी लीड्स' प्रोग्राम में भी हिस्सा लिया था। स्मृति ऑल-इंडिया पंचायत परिषद की नेशनल जनरल सेक्रेटरी, बीजेपी महिला मोर्चा (बलिया ज़िला) की सेक्रेटरी, अक्सा एजुकेशनल एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी की फाउंडर, और गवर्नमेंट रतसर इंटर कॉलेज और गवर्नमेंट कलचुरी संस्कृत विद्यालय की ट्रस्टी भी हैं।

पिछले कुछ सालों में, ऐवरटीन ने स्कूलों और कॉलेजों में कई मेन्स्ट्रुअल हाइजीन जागरूकता वर्कशॉप की हैं, जिससे पूरे भारत की हजारों लड़कियों और महिलाओं को लाभ मिला है। ब्रांड ने कई संस्थानों में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीनें भी लगाई हैं और राष्ट्रीय जागरूकता कैंपेन चलाए हैं, जिनका मकसद रूढ़ि सोच बदलना, गलतफहमियों को चुनौती देना और मासिक धर्म स्वास्थ्य पर तथ्यपूर्ण बातचीत को बढ़ावा देना है। भारत में पीरियड्स से जुड़ी सेहत को बेहतर बनाने के अपने दीर्घकालिक संकल्प के तहत, ऐवरटीन हर साल मेन्स्ट्रुअल हाइजीन सर्वे भी करता है ताकि महिलाओं और किशोरियों के बदलते जागरूकता लेवल, व्यवहार के तरीकों और उनके सामने आने वाली रुकावटों को बेहतर समझा जा सके। इन नतीजों से देश भर में पीरियड्स से जुड़ी सेहत के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए पब्लिक में बातचीत, सबूतों पर आधारित वकालत और नए समाधान बनाने में मदद मिलती है। ऐवरटीन के बारे मेंः वेट एंड ड्राई पर्सनल केयर प्राइवेट लिमिटेड, एक पान हेल्थ इनिशिएटिव, का ऐवरटीन भारत के लीडिंग फेमिनिन हाइजीन ब्रांड्स में से एक है। इसके पोर्टफोलियो में सैनिटरी पैड, डिस्पोजेबल पीरियड पैंटीज, मेंस्ट्रुअल कप्स, पैंटी लाइनर्स, इंटिमेट वॉश, मेंस्ट्रुअल केयर एसेंशियल्स, और पीरियड्स के दौरान आराम और कॉन्फिडेंस बढ़ाने के लिए डिजाइन किए गए अन्य प्रोडक्ट्स शामिल हैं। अपने प्रोडक्ट्स के अलावा, ऐवरटीन स्कूल और कॉलेज वर्कशॉप्स, कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम्स, पब्लिक अवेयरनेस कैंपेन, रिसर्च इनिशिएटिव्स, और सामाजिक उत्तरदायित्व के कार्यों द्वारा सक्रियता से मेंस्ट्रुअल हेल्थ को बढ़ावा देता है, जो भारतवर्ष में मेंस्ट्रुअल हाइजीन को अधिक सुलभ, किफायती और स्टिग्मा-फ्री बनाते हैं।

कम उम्र में शोहरत, फिर विवादों ने घेरा...

● ऐसी रही हंसिका मोटवानी की फिल्मी और निजी जिंदगी

हंसिका मोटवानी की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। बचपन में टीवी की दुनिया में कदम रखा, चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहचान बनाई, बॉलीवुड में बड़े सितारों के साथ काम किया और फिर साउथ फिल्म इंडस्ट्री में बतौर लीड एक्ट्रेस अलग जगह बना ली। लेकिन, जितनी तारीफ हंसिका के काम की होती है, उससे ज्यादा चर्चे उनकी निजी जिंदगी को लेकर होते हैं। वह किसी न किसी चीज को लेकर अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। 9 अगस्त 1991 को मुंबई में जन्मीं हंसिका ने बहुत छोटी उम्र में ही कैमरे का सामना करना शुरू कर दिया था। टीवी के मशहूर शो 'शाका लाका बूम बूम' में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आने के बाद वह घर-घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद उन्होंने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' जैसे लोकप्रिय सीरियल में भी काम किया। हंसिका की अगली बड़ी छलांग बॉलीवुड में हुई। ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म 'कोई मिल गया' में उनकी मौजूदगी को दर्शकों ने पसंद किया। कुछ समय बाद हंसिका ने साउथ सिनेमा का रुख किया। उन्होंने तेलुगु फिल्म 'देसमुदुरु' से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। उस समय उनकी उम्र काफी कम थी, लेकिन फिल्म में उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया और उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का सम्मान भी मिला। इसके बाद तमिल फिल्मों में भी उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। 'एंगेयुम काधल' और 'ओरु कल ओरु कन्नाड़ी' जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों के बीच मजबूत पहचान दिलाई। तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और मलयालम फिल्मों में काम करके उन्होंने अपनी बहुभाषी पहचान बनाई। एक चुलबुली और मासूम लड़की के किरदारों से शुरुआत करने वाली हंसिका ने धीरे-धीरे अलग तरह के रोल भी किए। हंसिका का करियर जितना तेजी से आगे बढ़ा, उनकी निजी जिंदगी को लेकर चर्चाएं भी उतनी ही तेज होती गईं। एक समय उनकी बदली हुई शारीरिक बनावट को लेकर तरह-तरह की बातें कही गईं और उन पर हार्मोनल इंजेक्शन लेने के आरोप लगे। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज किया था। इसके अलावा, एक कथित एमएमएस के वायरल होने के बाद भी उनका नाम चर्चा में आया। हालांकि, हंसिका ने साफ किया था कि वीडियो में दिखाई देने वाली लड़की वह नहीं थी। बावजूद इसके, इस विवाद ने काफी समय तक उनका पीछा नहीं छोड़ा। हंसिका की निजी जिंदगी का सबसे ज्यादा चर्चित अध्याय उनकी शादी रही। उन्होंने 4 दिसंबर 2022 को बिजनेसमैन सोहेल कथूरिया से शादी की। राजस्थान के जयपुर में हुई इस शाही शादी की तस्वीरों और वीडियो ने खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी शादी पर 'हंसिका लव शादी ड्रामा' नाम की एक वेब सीरीज भी बनी है। हालांकि शादी की घोषणा के साथ ही विवाद शुरू हो गया। सोहेल की यह दूसरी शादी थी और उनकी पहली पत्नी रिंकी बजाज हंसिका की दोस्त थीं। इसी वजह से सोशल मीडिया पर हंसिका पर कई तरह के आरोप लगाए गए। हंसिका ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सोहेल और रिंकी के रिश्ते में क्या हुआ, इससे उनका कोई लेना-देना नहीं था। हालांकि, हंसिका और सोहेल का रिश्ता भी ज्यादा समय चल नहीं पाया। दोनों ने तलाक ले लिया है।

हंसिका की अगली बड़ी छलांग बॉलीवुड में हुई। ऋतिक रोशन और प्रीति जिंटा की फिल्म 'कोई मिल गया' में उनकी मौजूदगी को दर्शकों ने पसंद किया। कुछ समय बाद हंसिका ने साउथ सिनेमा का रुख किया। उन्होंने तेलुगु फिल्म 'देसमुदुरु' से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। उस समय उनकी उम्र काफी कम थी, लेकिन फिल्म में उनकी एक्टिंग को पसंद किया गया और उन्हें बेस्ट फीमेल डेब्यू का सम्मान भी मिला। इसके बाद तमिल फिल्मों में भी उनका करियर तेजी से आगे बढ़ा। 'एंगेयुम काधल' और 'ओरु कल ओरु कन्नाड़ी' जैसी फिल्मों ने उन्हें दक्षिण भारतीय दर्शकों के बीच मजबूत पहचान दिलाई।

सामंथा रुथ प्रभु ने फैंस के साथ शेयर की मैटरनिटी मोमेंट्स की तस्वीरें

साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु मां बनने जा रही हैं। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गर्भावस्था के खूबसूरत पलों को फैंस संग शेयर किया। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्हें मैटरनिटी से जुड़ी एक किताब पढ़ते हुए देखा गया। एक तस्वीर में, अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु सोफे पर लेटी हुई इना मे की 'गाइड टू चाइल्डबर्थ' किताब पढ़ती हुई दिखीं। उन्होंने कैप्शन लिखा, 'अगस्त एनर्जी' और साथ में सफेद दिल वाले इमोजी भी लगाए। काफी समय से अभिनेत्री की प्रेग्नेंसी की खबरें चल रही थीं। इन पर अभिनेत्री ने मीडिया के साथ बातचीत के दौरान जल्द ही मैटरनिटी ब्रेक लेने की बात कही थी। सामंथा ने पिछले साल दिसंबर में एक छोटी सी सेरेमनी में फिल्ममेकर राज निदिमोरू से शादी की थी। अभिनेत्री इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मां इंति बंगारम' की सफलता का जश्न मना रही हैं। यह एक महिला प्रधान एक्शन-फैमिली ड्रामा है, जो बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई कर चुकी है। फिल्म में गुलशन देवैया, दिगंत और गौतमी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी स्वर्ण (सामंथा) और उसके पति अनिरुद्ध के इर्द-गिर्द घूमती है, जो परिवार की बिना मर्जी के शादी करने के बाद पहली बार अपने पति के परिवार से मिलने गांव जाती है। शुरुआत में परिवार में उनका कड़ा स्वागत होता है और स्वर्ण सबका दिल जीतने की कोशिश करती है, हालांकि स्वर्ण जैसी दिखती है, उसका अतीत उससे बिल्कुल अलग और एक खतरनाक, हिंसक दुनिया से जुड़ा होता है जो अचानक सामने आ जाता है। बी.वी. नंदिनी रेड्डी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सामंथा ने 'स्वर्ण' नाम की एक महिला का किरदार निभाया है, जो अपने अतीत को छिपाकर शांत पारिवारिक जीवन जी रही है। फिल्म की कहानी राज और डीके द्वारा लिखी गई है।

यूईएफए सुपर कप: पीएसजी ने एस्टन विला को 2-1 से हराकर खिताब बरकरार रखा

एजेंसी

साल्जबर्ग : चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने बुधवार को एस्टन विला को 2-1 से हराकर लगातार दूसरी बार यूईएफए सुपर कप का खिताब अपने नाम कर लिया। पीएसजी की जीत में ख्विचा क्वारात्सखेलिया और देसिरे डुए ने गोल किए, जबकि एस्टन विला की ओर से 17 वर्षीय ब्रायन मैडजो ने गोल दागा। पीएसजी ने 12 महीने पहले टोटेनहम हॉटस्पर को हराकर पहली बार सुपर कप जीता था। इस बार भी टीम ने प्रीमियर लीग की एक अन्य टीम को मात देकर यूरोप की शीर्ष क्लब टीम के रूप में अपना दबदबा कायम रखा। दोनों टीमों ने अपने घरेलू सत्र की शुरूआत से पहले मजबूत प्लेइंग इलेवन उतारी। पीएसजी की शुरूआती टीम में चैंपियंस लीग फाइनल में खेलने वाले नौ खिलाड़ी शामिल थे। मैच का पहला गोल 20वें मिनट में आया। क्वारात्सखेलिया ने बाएं छोर से अंदर की ओर आते हुए शानदार शॉट लगाया, जिसे एस्टन विला के गोलकीपर मार्को बिजोट रोक नहीं सके। पीएसजी ने 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, एस्टन विला ने हार नहीं मानी। 17 वर्षीय मैडजो ने पहले हाफ के अंतिम मिनट में कप्तान जॉन मैकगिन के शानदार पास का फायदा उठाते हुए गेंद को पीएसजी के गोल में पहुंचा दिया। इस गोल के साथ मुकाबला 1-1 की बराबरी पर आ गया। दूसरे हाफ में पीएसजी ने आक्रामक शुरूआत की। 61वें मिनट में फ्रांस के देसिरे डुए ने दाएं छोर से आगे बढ़ते हुए शानदार फिनिश के साथ गेंद को विला के गोल में पहुंचा दिया। हालांकि सहायक रेफरी ने शुरूआत में ऑफसाइड का संकेत दिया, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की समीक्षा के बाद गोल को मान्य कर दिया गया। समीक्षा में पाया गया कि एस्टन विला के डिफेंडर मैटी कैश ने डुए को ऑनसाइड रखा था। इसके बाद एस्टन विला ने बराबरी की भरपूर कोशिश की। जॉर्ज हेमिंग्स और जॉन मैकगिन के पास अच्छे मौके आए, लेकिन पीएसजी के गोलकीपर माटवे सफोनोव ने शानदार बचाव करते हुए अपनी टीम की बढ़त बरकरार रखी। मैच के अंतिम चरण में एस्टन विला लगातार हमले करता रहा। टैमी अब्राहम के पास भी बराबरी का बेहतरीन मौका आया, लेकिन वह गोल के सामने मिले पास को छूने से मामूली अंतर से चूक गए। पीएसजी ने आखिरी मिनटों में दबाव झेलते हुए 2-1 की बढ़त कायम रखी और लगातार दूसरी बार यूईएफए सुपर कप जीत लिया। अब पीएसजी की नजरें नए सत्र में लगातार तीसरी चैंपियंस लीग ट्रॉफी जीतने पर होंगी।

स्कूलों में लड़कियों को पीरियड्स और वेल-बीइंग के अलावा फाइनेंस हैंडल करना भी सिखाया जाए - कृति खरबंदा

मैंने 17 साल की उम्र में कमाना शुरू कर दिया था। मैंने अपने परिवार की जिम्मेदारी भी उठाई है और मुझे इस बात पर बहुत गर्व है। कृति ने यह भी बताया कि इस साल फरवरी से उन्होंने दोबारा पढ़ाई शुरू कर दी है और फिलहाल जियोपॉलिटिक्स के साथ अपने फाइनेंस को भी संभालना सीख रही हैं। उन्होंने कहा, पहली बार मैं अपना पूरा फाइनेंशियल पोर्टफोलियो खुद संभाल रही हूं, क्योंकि यह ऐसी चीज है जिसे मुझे खुद करना सीखना जरूरी है। फाइनेंशियल आज़ादी को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि लड़कियों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें यह भी समझना होगा कि दुनिया कैसे काम करती है।

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने नईदिल्ली में आयोजित वी विमेन वॉन्ट कॉन्क्लेव एंड शक्ति अवॉर्ड्स 2026 में फाइनेंशियल शिक्षा को स्कूली स्तर पर शुरू करने की बात की है। उन्होंने अपनी जिंदगी का अनुभव साझा करते हुए ये भी बताया कि उन्होंने न सिर्फ 17 साल की उम्र में ही कमाना शुरू कर दिया था, बल्कि अपने परिवार की जिम्मेदारी भी संभाली थी। कृति ने कहा, मैं हमेशा से एक लड़की और एक महिला के तौर पर आत्मनिर्भर होने की समर्थक रही हूं। मैंने 17 साल की उम्र में कमाना शुरू कर दिया था। मैंने अपने परिवार की जिम्मेदारी भी उठाई है और मुझे इस बात पर बहुत गर्व है। कृति ने यह भी बताया कि इस साल फरवरी से उन्होंने दोबारा पढ़ाई शुरू कर दी है और फिलहाल जियोपॉलिटिक्स के साथ अपने फाइनेंस को भी संभालना सीख रही हैं। उन्होंने कहा, पहली बार मैं अपना पूरा फाइनेंशियल पोर्टफोलियो खुद संभाल रही हूं, क्योंकि यह ऐसी चीज है जिसे मुझे खुद करना सीखना जरूरी है। फाइनेंशियल आज़ादी को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि लड़कियों को आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें यह भी समझना होगा कि दुनिया कैसे काम करती है। विशेष रूप से स्कूलों में फाइनेंशियल शिक्षा की जरूरत पर जोर देते हुए कृति ने यह भी कहा, जिस तरह हम हर महीने पीरियड्स और ओवरऑल वेल-बीइंग की बात करते हैं, उसी तरह बच्चों को यह भी सिखाया जाना चाहिए कि पैसे कैसे कमाने हैं, बचाने हैं, इन्वेस्ट करना है और फाइनेंस कैसे काम करता है। मुझे लगता है कि यह शिक्षा स्कूल से ही मिलनी चाहिए। इसके अलावा मैं समझती हूँ कि फाइनेंशियल प्लान्स को भी समय के साथ बदलते रहना चाहिए। लोग म्यूचुअल फंड और एसआईपी की बात करते हैं और मैं भी इनके पक्ष में हूं, लेकिन आपको लगातार खुद को और अपनी रणनीति को विकसित करते रहना होगा। अगर करियर के फैसले हमेशा के लिए नहीं होते, तो हमारे फाइनेंशियल प्लान्स अलग क्यों होने चाहिए? है ना।

नई दिल्ली में आईएसएसएफ का इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग टारगेट कोर्स शुरू, एशिया के अधिकारियों को मिलेगा तकनीकी प्रशिक्षण

नई दिल्ली, 12 अगस्त (हि.स.)। निशानेबाजी में तकनीकी दक्षता बढ़ाने और अंतरराष्ट्रीय स्तर के इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग सिस्टम के विशेषज्ञ तैयार करने के उद्देश्य से नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का इलेक्ट्रॉनिक स्कोरिंग टारगेट (ईएसटी) कोर्स शुरू हो गया है। राष्ट्रीय राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) की मेजबानी में आयोजित पांच दिवसीय यह कार्यक्रम 10 से 14 अगस्त तक चलेगा। नई दिल्ली के क्राउन प्लाजा में आयोजित इस प्रशिक्षण में भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और सऊदी अरब के 28 तकनीकी अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं। कोर्स का संचालन क्रोएशिया की जाद्रांका स्ट्रुकिक कर रही हैं। स्लोवेनिया के रॉबर्ट फेरेंक और भारत के धीरज कुमार सिंह बतौर प्रशिक्षक उनका सहयोग कर रहे हैं। उद्घाटन समारोह में एनआरएआई अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव, महासचिव पवन कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष एम.एस. भांगले और सचिव राजीव भाटिया मौजूद रहे। अधिकारियों ने प्रशिक्षण को आधुनिक निशानेबाजी प्रतियोगिताओं के लिए महत्वपूर्ण बताया।

डेविड मिलर का बड़ा सपना, बोले- घरेलू मैदान पर 2027 विश्व कप जीतकर करियर खत्म करना चाहता हूं

एजेंसी

नई दिल्ली : दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर की नजर अब 2027 में होने वाले आईसीसी पुरुष वनडे क्रिकेट विश्व कप पर है। मिलर ने कहा है कि वह अपने करियर के अंतिम दौर में घरेलू सरजमीं पर विश्व कप ट्रॉफी जीतकर यादगार विदाई लेना चाहते हैं। उनके लिए 2027 का विश्व कप अब प्रमुख लक्ष्यों में शामिल हो गया है। ह्यद हंड्रेड 2026ह्व में सदर्न ब्रेव का हिस्सा रहे मिलर ने आठ मुकाबलों में 166 रन बनाए। हालांकि, उनकी टीम नॉकआउट चरण तक नहीं पहुंच सकी। एक स्पोर्ट्स चैनल से बातचीत में मिलर ने अपने लंबे क्रिकेट करियर, दबाव में मैच फिनिश करने की कला और आईपीएल से जुड़ी यादों पर भी चर्चा की। मिलर ने कहा कि मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए टीम के लिए मुकाबले खत्म करना उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। उनके मुताबिक, इस भूमिका में महारत हासिल करने में लंबा समय लगता है और वह आज भी इससे लगातार सीख रहे हैं।

आईपीएल की दो पारियां हमेशा रहेंगी याद

अपने करियर की सबसे यादगार पारियों में मिलर ने आरसीबी के खिलाफ 101 रन की पारी को खास बताया। यह उनकी पहली आईपीएल और पहली टी20 शतकीय पारी थी, जिसमें उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को जीत दिलाई। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डरबन में खेली गई 118 रन की नाबाद पारी को भी अपनी खास पारियों में शामिल किया।

भोपाल की झीलों पर मप्र के सेलर्स का शानदार प्रदर्शन, 420 मिक्स और 29 ईआर में पहला स्थान

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के अपर लेक स्थित बोट क्लब पर चल रही तृतीय राजा भोज मल्टीक्लास नेशनल सेलिंग चैम्पियनशिप-2026 के दूसरे दिन बुधवार को मध्य प्रदेश के सेलर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में शीर्ष स्थान हासिल किए हैं। मप्र की टीम 420 मिक्स और 29ईआर में पहले स्थान पर रही। भोपाल की बड़ी झील स्थित बोट क्लब पर 10 से 16 अगस्त तक आयोजित इस राष्ट्रीय रैंकिंग प्रतियोगिता में 12 राज्यों के करीब 100 राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। राष्ट्रीय रैंकिंग की इस प्रतियोगिता में देशभर के खिलाड़ी अपनी तकनीक, संतुलन, गति और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। बुधवार को 420 मिक्स वर्ग में एनएसएस भोपाल की समृद्धि बाथम और पार्थ सिंह चौहान की जोड़ी ने शानदार तालमेल, संतुलन और रणनीतिक प्रदर्शन करते हुए दोनों रेस में पहला स्थान हासिल किया। दोनों रेस में लगातार बेहतर प्रदर्शन के साथ जोड़ी ने 2 नेट अंक अर्जित कर वर्ग में शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया। वहीं एनएसएस भोपाल की एकलव्य बाथम और वंशिका सिकरवार की जोड़ी ने भी दमदार प्रदर्शन करते हुए 4 नेट अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। दोनों टीमों के प्रदर्शन से इस वर्ग में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों की मजबूत तैयारी और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता देखने को मिली। 29ईआर गर्ल्स वर्ग में एनएसएस भोपाल की शगुन झा और अपर्णा चौधरी ने दोनों रेस में पहला स्थान हासिल करते हुए शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया। वहीं 29ईआर वर्ग में एनवायएससी की शोवण्या जोधा और हृदय जोशी ने पहला स्थान हासिल किया। एनएसएस के रुद्रेश सिंह पटेल और मयंक राजपूत दूसरे तथा एनवायएससी के एमडी रिजवान और शिवम वाल्मीकि तीसरे स्थान पर रहे। टेक्नो पुरुष अंडर-15 वर्ग में एनएसएस भोपाल के अंकित विश्वकर्मा ने पहला और एमपीवायए के अयान खान ने दूसरा स्थान हासिल किया। पुरुष अंडर-17 में एनएसएस भोपाल के सोहम योगेश राजपूत पहले, स्वस्तिक गौतम दूसरे और ईएमईएससी भोपाल के आरान मलिक तीसरे स्थान पर रहे। महिला अंडर-15 में एनएसएस भोपाल की अनन्या अवधिया ने पहला और विपासा सिंह ने दूसरा स्थान हासिल किया। महिला अंडर-17 में वायएम की प्रियंशी एम. पाटिल प्रथम और एनएसएस भोपाल की तेजस्वी प्रजापति दूसरे स्थान पर रहीं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता 10 से 16 अगस्त तक अपर लेक, बोट क्लब स्थित वाटर स्पोर्ट्स सेंटर में हो रही है। प्रतियोगिता में देश के 12 राज्यों और विभिन्न प्रतिष्ठित क्लबों से करीब 100 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। यॉटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (वाएआई) के तकनीकी मार्गदर्शन में प्रतियोगिता का संचालन किया जा रहा है। भोपाल की प्राकृतिक परिस्थितियां सेलिंग, रोइंग, कयाकिंग और केनोइंग जैसे वाटर स्पोर्ट्स के लिए अनुकूल हैं।

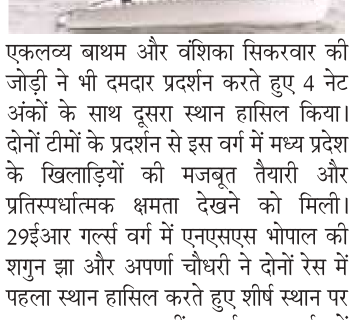

तिरंगा अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान,

आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए देशभक्ति जरूरी: जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीयमंत्री जेपी नड्डा ने तिरंगा यात्रा और तिरंगा अभियान को देशभर में चल रहे जनभागीदारी के अभियान के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त से शुरू हुआ तिरंगा यात्रा और तिरंगा अभियान 15 अगस्त तक जारी रहेगा। इसके तहत देश के शहरों से लेकर गांवों तक तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं और लोग उत्साह के साथ इसमें भाग ले रहे हैं। नड्डा ने कहा कि जब देश ने आजादी के 75 वर्ष पूरे किए, तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2022 में आह्वान किया था कि तिरंगा अभियान केवल सरकार का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जन आंदोलन बनना चाहिए। इसके

बाद देशभर में करोड़ों घरों पर तिरंगा फहराया गया और लोगों ने इस अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी की। केंद्रीयमंत्री ने बताया कि उन्होंने भी आज अपने आवास पर परिवार के साथ तिरंगा फहराया। उन्होंने इसे अपने लिए सौभाग्य का अवसर बताते हुए कहा कि तिरंगा देश की एकता, गौरव और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक है। नड्डा ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की भावना जरूरी है। उन्होंने लोगों से तिरंगा अभियान से जुड़ने और देश के विकास के संकल्प को मजबूत करने की अपील की। उनके मुताबिक, देशभक्ति की भावना और सामूहिक प्रयासों के जरिए भारत को आत्मनिर्भर और विकसित भारत बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

राहुल गांधी का व्यवहार उद्दंड बालक जैसा: गिरिराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीयमंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान और उनके अंदाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि राहुल गांधी एक उद्दंड बालक की तरह व्यवहार कर रहे हैं। संसदीय व्यवस्था में एक निश्चित मयार्दा होती है और विपक्ष के नेता को उसी के अनुरूप अपनी बात रखनी चाहिए। गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी के ह्यचैलेंज करता हूंह्ण वाले अंदाज पर निशाना साधते हुए कहा कि संसद में इस तरह की भाषा के बजाय तथ्यों और तर्कों के साथ चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संसद की एक गरिमा होती है एक मयार्दा होती है उसके अनुरूप अपना व्यवहार संसद में करना होता है। उन्होंने कहा कि अमित शाह से तुलन करना गलत है। अमित शाह ने अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने तथा नागरिकता संशोधन कानून लागू करने जैसे मुद्दों पर काम करके परिणाम दिखाए हैं। केंद्रीयमंत्री ने राहुल गांधी पर आतंकवाद को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने राहुल गांधी को ह्यअर्बन नक्सलह्ण की भूमिका निभाने वाला बताया और कहा कि अगर उनमें हिम्मत है तो संसदीय तरीके से मुद्दों पर बहस करें और दूसरों की बात भी सुनें। गिरिराज सिंह ने नीट और पैलेट गन के मुद्दे को लेकर भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि सदन में पैलेट गन का मुद्दा उठाया जाएगा तो नीट पर भी चर्चा होगी और इसके बाद पंजाब, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और झारखंड जैसे राज्यों से जुड़े मुद्दे भी बहस के दायरे में आएंगे। उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोला और पार्टी से ह्यशर्म करनेह्ण की बात कही।

सुकमा में आज चलेगा आयुष्मान महा अभियान 10 हजार से अधिक कार्ड बनाने का लक्ष्य

एजेंसी

सुकमा / रायपुर : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और सुकमा जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप के निदेर्शानुसार पर आज गुरुवार को आयुष्मान महा अभियान चलाया जाएगा। बस्तर तिरंगा यात्रा के उपलक्ष्य में आयोजित इस अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन की टीमें गांव-गांव एवं घर-घर पहुंचकर पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाएंगी। कलेक्टर अमित कुमार की अध्यक्षता में बुधवार की देर शाम अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रशासन ने इस विशेष अभियान के तहत 10 हजार से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल सके। अभियान के माध्यम से पात्र परिवारों को आयुष्मान भारत योजना के तहत प्रति वर्ष पांच लाख

रुपये तक के कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी। वहीं, 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान वय वंदना योजना का लाभ भी उपलब्ध कराया जाएगा। आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए हितग्राहियों को आधार कार्ड, राशन कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर तथा आवश्यक पहचान दस्तावेज साथ लाने होंगे। अभियान के दौरान कार्ड निःशुल्क बनाए जाएंगे।

पश्चिम बंगाल में आज कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

एजेंसी

कोलकाता : बंगाल की खाड़ी में बने नए निम्न दबाव के प्रभाव से पश्चिम बंगाल के दक्षिणी हिस्सों में बारिश का दौर तेज होने वाला है। मौसम विभाग ने गुरुवार को दक्षिण बंगाल के कई जिलों में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। शुक्रवार को भी बारिश का प्रभाव बने रहने की संभावना है। 15 अगस्त से बारिश की तीव्रता में कुछ कमी आने की उम्मीद है, हालांकि दक्षिण बंगाल के अधिकांश हिस्सों में वर्षा जारी रह सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, बुधवार सुबह साढ़े पांच बजे के आसपास उत्तर बंगाल की खाड़ी में पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तट के पास निम्न दबाव का क्षेत्र बना था। बुधवार शाम तक यह अधिक स्पष्ट निम्न दबाव में बदल गया। इसके बाद इसके और मजबूत होकर गहरे निम्न दबाव के क्षेत्र में बदलने तथा उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने का अनुमान है। इसके प्रभाव से पश्चिम बंगाल और उससे लगे बांग्लादेश के

तटीय क्षेत्रों में मौसम खराब रहेगा। गुरुवार को कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कई स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग ने बांकुड़ा और पश्चिम मेदिनीपुर में 20 सेंटीमीटर से अधिक अत्यंत भारी बारिश की आशंका जताई है। पुरुलिया, झाड़ग्राम, पूर्व मेदिनीपुर, पूर्व और पश्चिम बर्दवान तथा हुगली में भी कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी बारिश हो सकती है। दक्षिण बंगाल के अन्य जिलों में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का अनुमान है। बारिश के साथ कई इलाकों में गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। कोलकाता में अगले 24 घंटे तक आकाश मुख्य रूप से बादलों से ढका रहेगा। रुक-रुककर हल्की से मध्यम बारिश के साथ वज्रपात की आशंका है। गुरुवार और शुक्रवार शाम के बाद रात अथवा सुबह के समय बारिश की तीव्रता बढ़ सकती है। कुछ समय के दौरान बारिश की दर प्रति घंटे दो से तीन सेंटीमीटर तक पहुंच सकती है। बुधवार शाम दक्षिण बंगाल के ऊपर बने अत्यंत ऊंचे बादल भी मौसम की गंभीरता का संकेत दे रहे हैं। उपग्रह से प्राप्त जानकारी के अनुसार, क्यूमुलोनिम्बस बादल का एक स्तंभ करीब 18 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंच गया था। मौसम विज्ञानियों के अनुसार सामान्य तौर पर ऐसे बादल 12 से 14 किलोमीटर तक ऊंचे होते हैं। 18 किलोमीटर की ऊंचाई असामान्य मानी जाती है। इस बादल के ऊपरी हिस्से का तापमान शून्य से 70 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे पहुंचने का अनुमान है। शुक्रवार को भी दक्षिण बंगाल के कई जिलों में भारी बारिश का खतरा बना रहेगा। पुरुलिया में अति भारी बारिश की संभावना है, जबकि बाकुड़ा, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बर्दवान और बीरभूम में कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। कोलकाता समेत अन्य जिलों में भी वर्षा जारी रहने की संभावना है। उत्तर बंगाल में छिटपुट बारिश हो सकती है, लेकिन नए निम्न दबाव का वहां विशेष प्रभाव पड़ने की संभावना फिलहाल नहीं है।

मप्र के बालाघाट जिले में रहस्यमयी बीमारी से अब तक आठ बच्चों की मौत

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के आदिवासी इलाकों में रहस्यमयी बीमारी के चलते 26 जून से अब तक आठ बच्चों की मौत हो चुकी है। इनमें से एक बच्चे की मौत मंगलवार की रात ही हुई है। जबलपुर मेडिकल कॉलेज और बालाघाट के डॉक्टरों की टीम ने प्रभावित इलाकों का दौरा किया, लेकिन मौतों की असली वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है। दरअसल, बालाघाट जिले की अडोरी और मछुरदा पंचायत के बैगा बहुल आदिवासी इलाकों में पिछले दो माह से अज्ञात बीमारी से सैकड़ों बच्चे बीमार हो चुके हैं। इसी बीमारी से पीड़ित तीन वर्षीय प्रियंका धुर्वे 09 अगस्त को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उसने 11 अगस्त की रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इसके साथ ही क्षेत्र में इस बीमारी से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या आठ हो गई है। सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन के मुताबिक, बच्ची कई बीमारियों से ग्रसित थी। जबलपुर से जांच के लिए पहुंची टीम ने बताया कि बीमार बच्चों में न्युमोनिया, एनीमिया यानी खून की कमी, डिहाइड्रेशन, बुखार, खुजली, मलेरिया और किडनी पर असर जैसे लक्षण मिले हैं। सैंपल पुणे की लैब में भेजे गए हैं। इसकी रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा। हालांकि, यह रिपोर्ट कब तक आएगी, इस पर स्वास्थ्य विभाग कुछ भी बोलने से बच रहा है।सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने बताया कि सभी बच्चे अडोरी और मछुरदा पंचायत के गांवों के रहने वाले थे। 26 जून से 22 जुलाई तक बोंदारी निवासी भाई-बहन लमनिन और साहिल, पूजा, सचिन और कुंडेकसा निवासी प्रीति की मौत हुई। वहीं, 6 अगस्त को अरविंद और 8 अगस्त को मंगली मरकाम की जान गई। प्रियंका धुर्वे ने भी 11 अगस्त की रात उसने दम तोड़ दिया। बच्ची कई बीमारियों से जूझ रही थी और उसे बचाने की पूरी कोशिश की गई थी। आदिवासी इलाकों में बच्चों की लगातार मौतों पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने मामले की राज्यस्तरीय जांच कराने, जिम्मेदार अफसरों पर सख्त कार्रवाई करने और मृत बच्चों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये की सहायता राशि देने की मांग की है। दिग्विजय ने बीमार बच्चों को एयरलिफ्ट कर नागपुर, रायपुर और भोपाल के बड़े अस्पतालों में भर्ती कराने और इलाज का पूरा खर्च सरकार की ओर से उठाने की बात भी कही है।

असम में बाढ़ से 433 गांवों के 86832 नागरिक अभी भी प्रभावित, 2 और शव बरामद

एजेंसी

गुवाहाटी : असम में बाढ़ से 433 गांवों के 86832 नागरिक अभी भी प्रभावित हैं। इस दौरान 2 और शव बरामद हुए हैं। राज्य में नदियों का जलस्तर लगभग सामान्य स्थिति में पहुंच गया है। हालांकि, धनसिरी नदी (नुमलीगढ़) में अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। प्रभावित लोग राहत शिविरों से अपने घरों की ओर लौटने लगे हैं। क्षतिग्रस्त घर और बचे हुए घरों में दो से तीन फुट मिट्टी भरी होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रभावितों की मदद के लिए विभिन्न संगठनों ने हाथ आगे बढ़ाया है। सरकार भी आवश्यक इंतजाम कर रहीहै। स्थिति पूरी तरह सामान्य होने में कुछ समय लग सकता है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के 12 अगस्त के आंकड़ों के अनुसार धनसिरि नदी नुमलीगढ़ में खतरे के निशान

से अभी भी ऊपर बह रही है। बुधवार को शिवसागर जिले में 1 और कार्बी आंगलोंग जिले में 1 शव बरामद हुआ है। मृतकों का आंकड़ा 104 हो गया है। सात जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। प्रभावित बाढ़ग्रस्त जिलों में गोलाघाट, होजाई, शिवसागर, नगांव, जोरहाट, कार्बी आंगलोंग हैं। बाढ़ से इन जिलों के 24 राजस्व मंडलों के कुल 433 गांव प्रभावित हैं। वर्तमान समय में राज्य की कुल 86832 आबादी अभी भी प्रभावित हैं एवं 10884.27 हेक्टेयर कृषि भूमि पानी में डूबी हुई है। राज्य सरकार ने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए अभी भी कुल 42 राहत शिविर एवं 37 राहत वितरण केंद्र समेत कुल 79 शिविर क्रियान्वित रखे हैं। राहत शिविरों में 7216 लोग आश्रय लिए हुए हैं। जबकि राहत वितरण केंद्रों पर 5795 गैर-शिविर निवासी राहत प्राप्त कर रहे हैं। बाढ़ में राहत एवं बचाव अभियान में एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं (एफ एंड ईएस), सर्कल कार्यालय/स्थानीय प्रशासन एवं नागरिक सुरक्षा/प्रशिक्षित स्वयंसेवक जुटे हुए हैं। बाढ़ से बड़े पैमाने पर सड़क, पुल एवं अन्य आधारभूत ढांचे को नुकसान पहुंचा है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा एवं राज्य सरकार के मंत्री लगातार अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रभावितों की मदद के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं।

सराफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी जारी, चांदी के भाव में सांकेतिक गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली : सराफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी का दौर लगातार जारी है। आज शुरूआती कारोबार के दौरान भी सोना और महंगा होकर कारोबार कर रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सराफा बाजार में सोना आज 1,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,0400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत 500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 5400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गई है। सोना के विपरीत हाजिर चांदी के भाव में आज शुरूआती कारोबार के दौरान 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश

के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,870 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,41,960 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली कमजोरी आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,54,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,55,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,110 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,870 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,55,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,55,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

शिकायत सुनने को स्वास्थ्य आयोग की पहल, निजी चिकित्सा संस्थानों को संपर्क नंबर वाला बोर्ड लगाने का निर्देश

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में निजी अस्पताल, जांच केंद्र और पैथोलॉजी केंद्र समेत चिकित्सा से जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए 24 घंटे की हेल्पलाइन शुरू की गई है। पश्चिम बंगाल क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट रेगुलेटरी कमीशन ने आम लोगों की सुविधा के लिए शिकायत दर्ज कराने के कई माध्यमों की जानकारी दी है। कमीशन के अनुसार, चिकित्सा से संबंधित शिकायत 24 घंटे की हेल्पलाइन 1860-345-3512 पर दर्ज कराई जा सकती है। इसके अलावा wbcerc@wb.gov.in पर ई-मेल, आयोग की वेबसाइट और डाक के माध्यम से भी शिकायत भेजी जा सकती है। डाक से शिकायत भेजने वालों के लिए मोबाइल नंबर और ई-मेल पता देना अनिवार्य किया गया है। शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए राज्य के सभी स्वास्थ्य केंद्रों और चिकित्सा संस्थानों में बड़े आकार के बैनर या सूचना पट लगाने का निर्देश दिया गया है। आयोग ने अस्पतालों और क्लीनिकों के महत्वपूर्ण स्थानों पर अगले सात दिनों के भीतर ऐसे बैनर लगाने को कहा है। वेस्ट बंगाल क्लिनिकल एस्टैब्लिशमेंट रेगुलेटरी कमीशन के सचिव अरशाद हसन वारसी के हस्ताक्षर वाली निर्देशिका में कहा गया है कि बैनर का पृष्ठभूमि रंग नारंगी और अक्षरों का रंग सफेद होगा। बैनर पर जानकारी बंगला और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में देनी होगी। बैनर लगाने के बाद उसकी तस्वीर भी आयोग को भेजनी होगी। संबंधित जिलों के अधिकारियों को इस निर्देश को लागू कराने की जिम्मेदारी दी गई है। निजी चिकित्सा संस्थानों में इस तरह के बोर्ड-होर्डिंग लगाने की पहल का एसोसिएशन ऑफ हेल्थ सर्विसेज के महासचिव उत्पल बनर्जी ने स्वागत किया है। हालांकि, उन्होंने बोर्ड और होर्डिंग का रंग नारंगी रखने को लेकर सवाल उठाया है। वेस्ट बंगाल डॉक्टर्स फोरम के सलाहकार कौशिक लाहिड़ी ने कहा कि जब निजी अस्पतालों को अपने खर्च पर ये बोर्ड और होर्डिंग लगाने होंगे, तो रंग का फैसला भी निजी अस्पताल प्रबंधन पर छोड़ देना बेहतर होगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य मरीजों और उनके परिजनों को चिकित्सा सेवाओं से जुड़ी शिकायत दर्ज कराने का सरल और सीधा माध्यम उपलब्ध कराना है।

मुफस्सिल थाना पुलिस ने अंतरजिला चोर गिरोह के दो सदस्य को किया गिरफ्तार आभूषण, हथियार और गाड़ियां की जब्त

सारण : पुलिस विशेष अभियान के तहत मुफस्सिल थाना ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक अंतरजिला संगठित चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। मौके से गिरोह के दो आरोपितों को गिरफ्तार किया, जबकि उनके अन्य सहयोगी भागने में सफल रहे। पुलिस ने आरोपितों के पास से भारी मात्रा में सोने-चांदी के आभूषण, नगदी, चोरी के औजार और वाहन बरामद किए हैं। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र स्थित विष्णुपुरा पुल के नीचे एक काले रंग की स्कॉर्पियो और कार में सवार कुछ अपराधी चोरी के सोने-चांदी के गहनों की खरीद-बिक्री के लिए इकट्ठा हुए हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने दो लोगों को पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान दरियापुर थाना क्षेत्र के टंडवा मगरपाल निवासी राहुल कुमार और दिघवारा थाना क्षेत्र के शीतलपुर पीरगंज निवासी मुन्ना कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ क्रम में राहुल कुमार ने खुलासा किया कि उनका गिरोह विभिन्न जिलों में सुनसान व बंद पड़े मकानों को निशाना बनाता था। चोरी किए गए गहनों को सोनारों के जरिए बेचकर रकम आपस में बांट ली जाती थी। पहचान छिपाने के लिए वे वाहनों पर घिसे हुए या फर्जी नंबर प्लेट का इस्तेमाल करते थे ताकि सीसीटीवी कैमरों से बच सकें। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों के पास से 99,000 रुपए नगद, सोने का कंगन, तीन सोने की चैन, तीन मंगलसूत्र, हार, लॉकेट, झुमका, कमरधनी, सात जोड़े चांदी की पायल, सिकड़ी, बाजूबंद और सिक्के जप्त किया। साथ ही साथ एक स्कॉर्पियो, घिसा हुआ नंबर प्लेट, हथौड़ा, छेनी, पेचकस, एक आईफोन, दो स्मार्टफोन, एक कीपैड मोबाइल, सात पहचान पत्र और पांच बैंक पासबुक बरामद किया। इस संबंध में मुफस्सिल थाना में कांड संख्या-588/26 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अन्य फरार सदस्यों और चोरी का सामान खरीदने वाले सोनारों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

सारण में कानून-व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए तीन थानाध्यक्षों का स्थानांतरण

सारण : जिले में विधि-व्यवस्था को बेहतर बनाने, अपराध पर लगाम कसने और प्रशासनिक सुगमता के उद्देश्य से पुलिस विभाग में फेरबदल किया गया है। वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार के निर्देश पर वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के तहत तीन पुलिस अवर निरीक्षकों का स्थानांतरण किया गया है। नए आदेश के अनुसार गरखा थाना के थाना लेखक अनुसंधान इकाई पुलिस अवर निरीक्षक सत्यम प्रताप को अब तरैया थाना का नया थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं भेल्दी थाना के अपर थानाध्यक्ष अनुसंधान इकाई में तैनात पुलिस अवर निरीक्षक विमलेश कुमार को अमनौर थानाध्यक्ष और रिविलगंज थाना के अपर थानाध्यक्ष पुलिस अवर निरीक्षक जयन्त कुमार सिंह को अवतारनगर थानाध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गई है। पुलिस प्रशासन ने सभी नवनियुक्त थानाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे अविलंब अपने नए पदस्थापन स्थल पर योगदान देकर रिपोर्ट समर्पित करें, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल और मजबूत किया जा सके।

गुवाहाटी में 39 करोड़ रुपये की ड्रग्स जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी : गुवाहाटी महानगर में प्रतिबंधित मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। विशेष सूचना के आधार पर गड़चुक पुलिस ने बोरागांव इलाके में बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त की है। पुलिस ने एक ट्रक (एएस-01वीसी-1396) को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान करीब 15 पैकेट याबा टैबलेट और आठ पैकेट हेरोइन बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, प्रतिबंधित ड्रग्स को इंफाल से गुवाहाटी लाया जा रहा था। जब्त मादक पदार्थों की कुल कीमत करीब 39 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस मामले में पुलिस ने दो कथित तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान ग्वालपाड़ा निवासी अब्दुल कादिर और शरीफुल इस्लाम के रूप में हुई है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

बाढ़ संभावित गांवों में तहसीलदार ने लिया जायजा, ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में लगातार हो रही बारिश के चलते अजीतमल तहसील क्षेत्र से होकर गुजरने वाली यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने लगा है। जलस्तर में वृद्धि से यमुना किनारे बसे गांवों के ग्रामीणों में बाढ़ की आशंका को लेकर चिंता बढ़ गई है। हालांकि प्रशासन ने स्थिति सामान्य बताते हुए ग्रामीणों से सतर्क रहने की अपील की है। गुरुवार सुबह तहसीलदार अविनाश कुमार ने बाढ़ संभावित क्षेत्र के गोहानी, सिकरोड़ी और जूहीखा आदि गांवों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाकर बाढ़ से बचाव एवं सुरक्षा के उपायों की जानकारी दी। साथ ही जलस्तर पर लगातार नजर रखने और किसी भी स्थिति में लापरवाही न बरतने की अपील की। तहसीलदार ने ग्रामीणों को पशुओं के लिए चारा और पानी सुरक्षित स्थानों पर रखने तथा जरूरी सामान को ऊंचे स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए, ताकि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में किसी तरह की परेशानी न हो। प्रशासन के अनुसार बुधवार को यमुना का जलस्तर 104 सेंटीमीटर से अधिक दर्ज किया गया, जबकि खतरे का निशान 113 सेंटीमीटर है। वर्तमान में जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है। उप जिलाधिकारी अजीतमल निखिल राजपूत ने बताया कि यमुना में पानी कुछ बढ़ा है, लेकिन अभी खतरे जैसी कोई स्थिति नहीं है। बाढ़ संभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है। संबंधित क्षेत्रों में तैनात लेखपालों को अपने-अपने गांवों में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि तहसील प्रशासन ने संभावित बाढ़ से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

दक्षिणी लेबनान में इजराइली कार्रवाई पर भड़के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम, व्यवस्थित विनाश का लगाया आरोप

बेरूत/तेल अवीव : दक्षिणी लेबनान में इजराइली सैन्य कार्रवाई को लेकर तनाव बढ़ गया है। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने इलाके में घरों, बुनियादी ढांचे और अन्य नागरिक संपत्तियों के कथित ह्लव्यवस्थित विनाशह्न की कड़ी निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का गंभीर उल्लंघन बताया है। सलाम ने एक बयान में कहा कि दक्षिणी लेबनान में इजराइली हमले, सैन्य घुसपैठ, मकानों को गिराना और घरों, बुनियादी ढांचे, सरकारी इमारतों तथा धार्मिक स्थलों का कथित व्यवस्थित विनाश अंतरराष्ट्रीय कानून के मूल सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने गांवों और कस्बों को पूरी तरह ह्लसैन्य प्रतिष्ठानह्न बताए जाने के इजराइली दावे पर भी सवाल उठाया। सलाम के मुताबिक, किसी इलाके को सैन्य क्षेत्र बताना वहां के घरों को नष्ट करने, लोगों को विस्थापित करने और उन्हें वापस लौटने से रोकने का औचित्य नहीं हो सकता। वहीं, इजराइल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने दक्षिणी लेबनान का दौरा किया और कहा कि इजराइली सेना कथित ह्लसुरक्षा क्षेत्रह्न में अपनी मौजूदगी बनाए रखेगी। काट्ज ने दावा किया कि इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) इलाके में भूमिगत ढांचे को नष्ट करने की कार्रवाई कर रहा है।

टाटानगर रेलवे सिविल डिफेंस ने रेलकर्मियों को डिमना लेक में दी इमरजेंसी रेस्क्यू ट्रेनिंग

जमशेदपुरः टाटानगर रेलवे सिविल डिफेंस के तत्वावधान में गुरुवार को डिमना लेक में इमरजेंसी रेस्क्यू मेथड ऑफ वाटर का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में टाटा स्टील के स्कूबा ड्राइवर मजरुल बारी ट्रेनर के रूप में मौजूद रहे। इस प्रशिक्षण में रेलकर्मियों को आपदा प्रबंधन के तहत जल हादसों के दौरान त्वरित और प्रभावी बचाव कार्यों की तकनीक सिखाना था। प्रशिक्षण शिविर के दौरान टाटानगर के करीब 30 रेलकर्मी मौजूद रहे। सभी रेल कर्मियों को पानी में डूबते हुए लोगों को बचाने के आधुनिक और आपातकालीन तरीकों की जानकारी दी गयी। इस दौरान उन्हें पानी की बोतल और प्लास्टिक के गैलन से खुद को पानी में डूबने से कैसे बचाना है, उसके बारे में जानकारी दी गयी।

रेलकर्मियों ने सिखा पेट से पानी निकालने का तरीकाः मौके पर मौजूद सभी रेलकर्मी को लाइफ जैकेट और सुरक्षा रस्सियों के सही व त्वरित इस्तेमाल का व्यावहारिक ज्ञान देते हुए पानी में अभ्यास कराया गया। इस दौरान आपात स्थिति में यदि सुरक्षा उपकरण मौजूद न हों, तो खाली प्लास्टिक की बोतलों, कैन व अन्य स्थानीय वस्तुओं से तुरंत तैरने वाले उपकरण बनाने की तकनीक सिखायी गयी। पानी से सुरक्षित बाहर निकालने के बाद पीड़ित को दिए जाने वाले प्राथमिक उपचार और पेट से पानी निकालने के सही तरीकों का लाइव डिमोस्ट्रेशन देकर सिखाया गया। उन्हें बताया गया कि जल आपदाओं के समय शुरूआती कुछ मिनट बेहद कीमती होते हैं। सही तकनीक और त्वरित निर्णय से कई किसी की जिंदगियां बचाई जा सकती हैं।

मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला से चेन छिनतई

जमशेदपुर : सीतारामडेरा थाना अंतर्गत बाराद्वारी इलाके में मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला के गले से चेन छिनतई हुई है। घटना के बाद पीड़िता सदमे में है। वहीं जमशेदपुर में चेन छिनतई की बढ़ती घटनाओं को लेकर लोगों की चिंता भी बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार, महिमा अपनी महिला मित्र आरती झा के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली थी। जैसे ही वह सोनी सर्विस सेंटर के पास पहुंची, वहां पहले से घात लगाए बाइक सवार बदमाशों ने उसके गले से झपट्टा मारकर चेन छीन ली और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

घटना की जानकारी सीतारामडेरा थाना पुलिस को दी गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर बदमाशों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां पूरी रणधीर वर्मा स्टेडियम में होगा मुख्य समारोह

धनबाद : शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा । समारोह को लेकर 9 अगस्त से ही स्टेडियम में परेड का पूर्वाभ्यास किया जा रहा है। गुरुवार को पूर्वाभ्यास के अंतिम दिन उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक ने परेड पूर्वाभ्यास के साथ-साथ समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परेड में शामिल टुकड़ियों के मार्च-पास्ट और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जहां भी त्रुटियां पाई गईं उन्हें तत्काल दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने स्टेडियम में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ अग्निशमन वाहन, एंबुलेंस और चिकित्सकों की टीम की तैनाती का निर्देश दिया।

सुबह 9 बजे स्टेडियम में होगा झंडोत्तोलनः स्वतंत्रता दिवस के दिन उपायुक्त शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम में सुबह 9 बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। इसके अलावा सुबह 7:30 बजे बंदोबस्त कार्यालय, 8 बजे उपायुक्त के आवासीय कार्यालय और 10 बजे धनबाद समाहरणालय में झंडोत्तोलन किया जाएगा। मुख्य समारोह में डीएपी और एनसीसी की दो-दो प्लाटून के साथ सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, जेएपी, होमगार्ड, भारतीय स्काउट एंड गाइड तथा ग्रामीण पुलिस की एक-एक प्लाटून परेड में हिस्सा लेगी।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मी होंगे सम्मानितः मुख्य समारोह के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को भी सम्मानित किया जाएगा। वहीं 14 अगस्त की संध्या न्यू टाउन हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरे जिले में ड्राई डे रहेगा।

भगवान शनिदेव का मनाया गया जन्मोत्सव

चक्रधरपुरः शनिदेव मंदिर में अमावस्या के दिन भगवान शनिदेव का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रातःकाल से ही भव्य पूजा अर्चना की गई । इस अवसर पर काफी संख्या में भक्तजनों और श्रद्धालुओं ने भगवान की पूजा अर्चना की। मंदिर और उसके आसपास आकर्षक विद्युत सज्जा की गई थी। पूरा क्षेत्र विद्युत सज्जा से जगमगा उठा। शाम को व्यापक रूप से भक्तजनों और श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। सैकडों की संख्या में भक्तजनों और श्रद्धालुओं ने शनिदेव का प्रसाद ग्रहण किया।

अमावस्या के दिन मेन रोड़ रांची स्थित आनंदमयी काली मंदिर में हुई विशेष पूजा अर्चना

निधि पाठक

रांचीः भक्ति, श्रद्धा और निष्ठा का अनुपम स्थल आनंदमयी मां काली मंदिर में अमावस्या के अवसर पर मंदिर के पुजारी द्वारा विशेष पूजा अर्चना की गई और भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। यूँ तो प्रतिदिन मां काली मंदिर में भक्तों की लगती है किन्तु अमावस्या के दिन भक्तों की भीड़ देखते ही बनती है। मां के दर्शन को भक्तजन और श्रद्धालुगण मंदिर आते हैं।

स्वतंत्रता दिवस की फाइनल फुल ड्रेस परेड रिहर्सल संपन्न, 11 प्लाटून लेंगी

मेट्रो रेज

सिमडेगाः स्वतंत्रता दिवस समारोह 2026 की तैयारियों को लेकर गुरुवार को परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम में फाइनल फुल ड्रेस परेड रिहर्सल का आयोजन किया गया।

डीसी-एसपी ने लिया जायजा : रिहर्सल का निरीक्षण करने उपायुक्त कंचन सिंह और पुलिस अधीक्षक श्रीकांत एस. खोटरे स्टेडियम पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने तैयारियों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इन चीजों का हुआ अभ्यास : रिहर्सल के दौरान मुख्य अतिथि के आगमन, जनरल सैल्यूट, राष्ट्रीय गीत, ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, परेड सलामी, मार्च पास्ट, बैंड डिस्प्ले और पारितोषिक वितरण सहित समारोह के सभी चरणों का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान के साथ होगा।

इस बार 11 प्लाटून होंगी शामिल : जिला प्रशासन के अनुसार इस वर्ष परेड में पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी कैडेट्स और विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की कुल 11 प्लाटून शामिल होंगी।

इस वर्ष एक नई व्यवस्था के तहत ध्वजारोहण से पहले राष्ट्रीय गीत गाया जाएगा।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने स्वतंत्रता दिवस परेड पूर्वाभ्यास का किया निरीक्षण

आत्मविश्वास, उत्साह और देश प्रेम की ऊर्जा के साथ मनाएं स्वतंत्रता दिवसः उपायुक्त

विनय मिश्रा

चक्रधरपुरः स्थानीय केकेएन स्टेडियम में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया व पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर की उपस्थिति में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले परेड का अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया। इसके अलावा पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में जैप-5 के जवानों की टुकड़ी सहित महिला/पुरूष पुलिस जवान, गृह रक्षा वाहिनी कैडेरों, स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया। इस दौरान सार्जेन्ट मेजर द्वारा पूर्वाभ्यास करने वाले प्रतिभागियों का नियमानुसार नेतृत्व किया गया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर उपायुक्त ने किया फुल ड्रेस परेड रिहर्सल का निरीक्षण

लोहरदगाः स्वतंत्रता दिवस पर बीएस कॉलेज स्टेडियम में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों को लेकर गुरुवार को उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने फुल ड्रेस परेड रिहर्सल का निरीक्षण किया।

इस दौरान उपायुक्त ने परेड में शामिल जवानों एवं प्रतिभागियों द्वारा किए जा रहे मार्च-पास्ट तथा अन्य तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने परेड की तैयारी, अनुशासन, कदमताल, सलामी एवं समन्वय को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने निदेश दिया कि स्वतंत्रता दिवस समारोह गरिमापूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से आयोजित किया जाए। समारोह के दौरान सभी व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया।

उन्होंने परेड में शामिल सभी प्रतिभागियों को बेहतर तैयारी के साथ रिहर्सल करने तथा समारोह के दिन अनुशासन एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखने को कहा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई, मंच व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम, पीडी आइटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा समेत सभी जिला स्तरीय पदाधिकारीगण, संबंधित परेड की टुकड़ियां व संबंधित विद्यालयों के बच्चे उपस्थित थे।

इसके अलावा स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के तहत परेड का पूर्वाभ्यास पूर्व से ही चल रहा था, जिसके तहत आज अंतिम पूर्वाभ्यास किया गया। इस दौरान मौके पर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया ने सभी का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि चेहरे पर आत्मविश्वास, उत्साह और राष्ट्र प्रेम की ऊर्जा के साथ कार्यक्रम को भव्य बनाने में अपना शत प्रतिशत योगदान दें। साथ ही उपायुक्त ने जानकारी दी कि जिला स्तरीय ध्वजारोहण हेतु मुख्य समारोह के साथ-साथ संध्या पहर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें झारखंड की कला संस्कृति एवं इतिहास के साथ-साथ देश की गौरवशाली गाथा को भी प्रदर्शित किया जाएगा।

इस दौरान उपरोक्त के अलावा उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, जिला नजारत उपसमाहर्ता मुकेश कुमार, सार्जेंट मेजर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी एवं संबंधित अधिकारी व पुलिस पदाधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

चार उर्वरक प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित

उर्वरक की ज्यादा मूल्य पर बिक्री एवं असामान्य मात्रा में बिक्री का आरोप

मेट्रो रेज

सिमडेगाः जिले में उर्वरक की कालाबाजारी, निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर बिक्री तथा उर्वरक के असामान्य रूप से अधिक मात्रा में विक्रय पर जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई की गई है। उर्वरक बिक्री में अनियमितता पाए जाने के मामले में जिले के चार उर्वरक विक्रेताओं/प्रतिष्ठानों के उर्वरक अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) को निलंबित कर दिया गया है। जांच एवं उपलब्ध बिक्री विवरणी के आधार पर ओडगा लैम्पस लि०, जलडेगा, सुदामा खाद भंडार, जलडेगा, मनोज बिश्वाल, लरबा, कोलेबिरा तथा हरियाली बीज भंडार, कुरडेग के विरुद्ध कार्रवाई की गई है प्राप्त शिकायतों एवं विभागीय स्तर पर की गई जांच के क्रम में उर्वरक की निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर बिक्री किए जाने तथा कुछ मामलों में असामान्य रूप से किसानों को अधिक मात्रा में उर्वरक की बिक्री किए जाने जैसी अनियमितताएं सामने आईं। इन मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अनुज्ञप्तिधारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया तथा उपलब्ध अभिलेखों एवं तथ्यों के परीक्षण के उपरांत संबंधित उर्वरक अनुज्ञप्तियों को निलंबित करने की कार्रवाई की गई।

जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिले में उर्वरक की बिक्री निर्धारित सरकारी दर एवं प्रचलित नियमों के अनुरूप ही की जानी है। किसानों को उर्वरक की बिक्री में किसी भी प्रकार की अनियमितता, निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली, जमाखोरी, कालाबाजारी अथवा एक ही किसान को असामान्य मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने की शिकायत को गंभीरता से लिया जाएगा।

विभाग द्वारा उर्वरक विक्रेताओं को निर्देश दिया गया है कि बिक्री के दौरान ढडर मशीन में सही प्रविष्टि, निर्धारित मूल्य पर बिक्री, स्टॉक एवं बिक्री पंजी का समुचित संधारण तथा विभागीय दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें। निर्देशों की अवहेलना अथवा भविष्य में पुनः अनियमितता पाए जाने पर संबंधित अनुज्ञप्तिधारी के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सफलता की कहानी

बकीकोना में सौर ऊर्जा से विकास की नई रोशनी

सौर ऊर्जा के आगमन के बाद गांव में राइस हॉलर, आटा चक्की एवं 5 सिंचाई पंप संचालित हो रहे हैं । जिससे कृषि एवं स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली है

मेट्रो रेज

सिमडेगाः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार की जन-केंद्रित विकास नीति एवं जिला प्रशासन, सिमडेगा के सक्रिय एवं संवेदनशील प्रशासन के सतत प्रयासों से जिले के दूरस्थ एवं वंचित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन हो रहे हैं। वर्ष 2026 में सिमडेगा के 6 प्रखंडों के 129 गांवों तक पहुंच बनाकर इस समावेशी विकास की दिशा को और विस्तार दिया गया है। केरसेई प्रखंड का बकीकोना इस परिवर्तन का प्रेरक उदाहरण है। यहां 85 परिवार लंबे समय तक विद्युत सुविधा से वंचित थे। रोशनी के लिए केरोसिन तथा सिंचाई के लिए डीजल पंप पर निर्भरता से ग्रामीणों पर आर्थिक बोझ पड़ता था और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती थी। वर्ष 2025 में 17 I98 किलोवाट क्षमता का सोलर माइक्रोग्रिड स्थापित होने से सभी 85 परिवारों, प्राथमिक विद्यालय, सामुदायिक संस्थानों एवं पूरे टोले को विद्युत सुविधा प्राप्त हुई। सौर ऊर्जा के आगमन के बाद गांव में राइस हॉलर, आटा चक्की एवं 5 सिंचाई पंप संचालित हो रहे हैं, जिससे कृषि एवं स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली है। माधुरी सामा मिंज के परिवार के लिए बिजली ने शिक्षा एवं घरेलू सुविधाओं के नए अवसर खोले, वहीं किसान इमैनुअल तिर्की के लिए सौर ऊर्जा ने सिंचाई तथा फसल विविधीकरण की संभावनाओं को मजबूत किया।

इस परिवर्तन को जमीन पर साकार करने में ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया (टीआरआई) ने स्थानीय समुदाय के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिला प्रशासन, सिमडेगा के मार्गदर्शन, सहयोग और निरंतर समर्थन के बिना इस पहल को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारना संभव नहीं होता। जिला प्रशासन के समन्वय एवं टीआरआई के तकनीकी और सामुदायिक सहयोग ने बकीकोना जैसे दूरस्थ गांव में स्थायी ऊर्जा समाधान को आकार दिया।

जिला जनगणना हस्तपुस्तिका 2027 के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

लोहरदगाः जिले में जनगणना हस्तपुस्तिका-2027 के महत्वपूर्ण कार्य को त्रुटिरहित एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला परिषद सम्मेलन कक्ष में चार्ज पदाधिकारियों एवं क्षेत्रीय कर्मियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अपर समाहर्ता सह जिला जनगणना पदाधिकारी लोहरदगा जितेंद्र मुंडा एवं सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा क्षेत्रीय कर्मी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित सभी को संबोधित करते हुए जनगणना कार्य की महत्ता पर प्रकाश डाला और सभी आंकड़ों को पूर्ण सटीकता एवं समयबद्धता के साथ दर्ज करने का निर्देश दिया।

डिजिटल भारत पहल के तहत जनगणना हस्तपुस्तिका से संबंधित संपूर्ण कार्य इस बार आधुनिक मोबाइल ऐप एवं विशेष वेब पोर्टल के माध्यम से निष्पादित किया जाना है। इस हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए संदर्भ तिथि 31 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। प्रशिक्षण के दौरान जिले के सभी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के व्यापक डेटाबेस को अद्यतन करने के लिए ग्राम निदेशिका तथा नगर निदेशिका तैयार करने से संबंधित तकनीकी व व्यावहारिक दिशा-निर्देश प्रदान किए जा रहे हैं।

ग्राम निदेशिका के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं, जैसे- शैक्षणिक संस्थान, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल व्यवस्था, संचार साधन, बैंकिंग व डाक सुविधाएं, विद्युत आपूर्ति, भूमि उपयोग का स्वरूप तथा मुख्य कृषि उत्पादों से संबंधित विस्तृत आंकड़े संकलित किए जाएंगे। वहीं नगर निदेशिका के तहत शहरी निकायों की भौगोलिक व जलवायु स्थिति, आधारभूत संरचना, शैक्षणिक व बैंकिंग सुविधाएं, स्वास्थ्य सेवाएं तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़ा संपूर्ण ब्योरा एकत्र किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना कार्य निदेशालय- झारखंड, रांची से आये प्रशिक्षक गजेंद्र गुप्ता-उप निदेशक तथा संजीव कुमार मांझी- सांख्यिकीय अन्वेषक द्वारा उपस्थित पदाधिकारियों को मोबाइल ऐप के संचालन, डेटा एंट्री की बारीकियों और तकनीकी समस्याओं के समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।